Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0C
न्यूनतम तापमान: 21.0C
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक संजीवनी टुडे

sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 145 | जयपुर, रविवार, 27 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे

जयशंकर बोले- भारत-चीन सीमा पर 2 वजहों से समझौता

पहला- हम अड़े रहे, सेना डटी रही, कूटनीति काम आई, दूसरा- इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर किया

■ संजीवनी टुडे

पुणे। भारत-चीन के बीच एलएसी पर पेट्रोलिंग को लेकर समझौते पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार का अपनी बात पर अड़े रहना काम कर गया। आज हम जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके दो कारण हैं। पहला- हम अपनी बात से पीछे नहीं हटे यह केवल इसलिए संभव हो सका क्योंकि सेना देश की रक्षा के लिए हर मौके पर डटी रही और कूटनीति ने अपना काम किया। दूसरा- पिछले एक दशक में हमने अपने बुनियादी ढांचे में भी सुधार किया है। जयशंकर ने कहा- मुझे लगता है कि इन दो कारणों के चलते भारत-चीन सीमा विवाद पर पेट्रोलिंग का मुद्दा हल हो सका है। विदेश मंत्री ने यह बात शनिवार को पुणे के एक कार्यक्रम में कही। दरअसल, भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में चार साल से सीमा विवाद को लेकर तनाव था। दो साल की लंबी बातचीत के बाद पिछले दिनों एक समझौता हुआ है। दोनों सेनाएं विवादित पॉइंट्स देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेंगी। देपसांग और डेमचोक से पीछे हटने की जानकारी सामने आई थी। इसमें बताया गया था कि यहां से दोनों सेनाएं अप्रैल 2020 से पहली की स्थिति में वापस लौटेंगी। साथ ही उन्हीं क्षेत्रों में गश्त करेंगी, जहां अप्रैल 2020 से पहले किया करती थीं। इसके अलावा कमांडर लेवल मीटिंग होती रहेगी 2020 में भारत-चीन के सैनिकों के बीच गलवान झड़प के बाद से देपसांग और डेमचोक में तनाव बना हुआ था।

गलवान घाटी-गोगरा हॉट स्प्रिंग्स पर पेट्रोलिंग पर अभी फैसला नहीं

समझौते में लद्दाख के देपसांग के तहत आने वाले 4 पॉइंट्स को लेकर सहमति बन गई है, लेकिन डेमचोक के गलवान घाटी और गोगरा हॉट स्प्रिंग्स में गश्त को लेकर कुछ नहीं कहा गया है। पेट्रोलिंग पॉइंट-14 यानी गलवान घाटी, गोगरा हॉट स्प्रिंग्स यानी पीपी-15 और पीपी-17 बफर जोन हैं। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यहां पर गश्त को लेकर बाद में विचार होगा। बफर जोन यानी ऐसा इलाका जहां दोनों सेनाएं एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं आ सकतीं। ये जोन विपक्षी सेनाओं को अलग करते हैं।भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्री ने बताया था कि भारत-चीन के सीमावर्ती इलाकों में पेट्रोलिंग के साथ 2020 के बाद उठे मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रस्ताव तैयार हुआ है। इस पर दोनों देश कदम उठाएंगे। तस्वीर लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून 2020 को भारत-चीन के सैनिकों के बीच हुई खूनी झड़प की है।

कहां से हट चुकीं सेनाएं, कहां से हट रहीं

पीएम मोदी की ब्रिक्स यात्रा के पहले समझौता फाइनल हुआ। ब्रिक्स में मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। मोदी ने यहां कहा था कि शांति कायम रखना हर हाल में जरूरी है। पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर अप्रैल 2020 की स्थिति बहाल करने के लिए चीन और भारत राजी हुए। यानी अब चीन की आर्मी उन इलाकों से हटेगी, जहां उसने अतिक्रमण किया था। करीब 4 साल बाद 21 अक्टूबर को दोनों देशों के बीच नया पेट्रोलिंग समझौता हुआ। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया था कि इसका मकसद लद्दाख में गलवान जैसी झड़प रोकना और पहले जैसे हालात बनाना है। भारत और चीन की सेनाएं शुक्रवार, 25 अक्टूबर से पूर्वी लद्दाख सीमा से पीछे हटना शुरू हो गई हैं। न्यूज एजेंसी इगत्रके मुताबिक पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग पॉइंट में दोनों सेनाओं ने अपने अस्थायी टेंट और शेड हटा लिए हैं। गाड़ियां और मिलिट्री उपकरण भी पीछे ले जाए जा रहे हैं। आर्मी के सूत्रों के मुताबिक 28 और 29 अक्टूबर तक दोनों देश देपसांग और डेमचोक से अपनी- अपनी सेनाएं पूरी तरह हटा लेंगे। पेट्रोलिंग के लिए सीमित सैनिकों की संख्या तय की गई है। ये संख्या कितनी है, इसकी अभी जानकारी सामने नहीं आई है। इसी के बाद दोनों देशों के बीच विवाद गहराया। 15 जून 2020 को चीन ने ईस्टर्न लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में एक्सरसाइज के बहाने सैनिकों को जमा किया था।

आय से अधिक संपत्ति का मामला

नौकरी में इतना कमाया कि वीआरएस मांग लिया, मंजूरी से पहले पकड़े गए

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। आय से अधिक संपत्ति मामले में घिरे रसद विभाग के संभागीय उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी (डीसीपीओ) जयमल राठौड़ जेल में हैं। एसीबी शनिवार को तीसरे दिन भी उनकी संपत्तियों की पड़ताल और वैल्यूएशन में जुटी रही। खास बात यह है कि जयमल 1993 में बतौर इंस्पेक्टर रसद विभाग में भर्ती हुए थे। वे 31 साल की नौकरी में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के डीसीपीओ पद तक पहुंचे और जयमल से जय माला माल हो गए। यह इस बात से भी साबित होता है कि उनके घर-होटल-ऑफिस की तलाशी में अब तक 2 किलो सोना, 14 किलो 200 ग्राम चांदी, 3 लाख की नकदी सहित कई भूखंडों के दस्तावेज मिल चुके हैं। सोने-चांदी की कीमत 1.75 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इतना सब माल होने के बाद ही शायद राठौड़ ने नौकरी छोड़ना भी उचित माना और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) के लिए आवेदन भी कर दिया था। हालांकि, ये अभी स्वीकृत नहीं हुआ है। उधर, एसीबी की टीम ने उदयपुर एएसपी अनंत कुमार के नेतृत्व में शनिवार को राठौड़ के सज्जनगढ़ रोड स्थित होटल मान विलास की वैल्यूएशन की कार्रवाई शुरू की। जयपुर की एक टीम भी मौजूद रही। जांच में सामने आया है कि राठौड़ का वेतन करीब 1.10 लाख रुपए मासिक है। कटौती आदि के बाद 82 से 83 हजार रु. मिलते हैं। ऐसे में यही जांच के मुद्दा है कि उन्होंने कैसे इतनी संपत्तियां बना ली। राठौड़ इंस्पेक्टर पद की नौकरी पर लगने के बाद प्रमोट होकर प्रर्वतन अधिकारी बने। इसके बाद जिला रसद अधिकारी और अब संभागीय उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी पद पर पहुंचे थे। उनका काम लाइसेंस जारी करने के साथ ही आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था का समन्वय करना था। उपभोक्ता हितों के संरक्षण के लिए गठित राज्य आयोग एवं जिला मंचों की वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्था सुदृढ़ करना और उपभोक्ता आंदोलन को गति देने के लिए स्वैच्छिक संगठनों से समन्वय स्थापित करना भी उनका काम था। राठौड़ के घर से वन्यजीवों के नाखून व सींग मिले हैं। इस संबंध में एसीबी ने भूपालपुरा पुलिस थाने में शिकायत दी थी।

सवा करोड़ की डकैती का 72 घंटे में खुलासा

दो वारदात में फ़ेल हुए तो गंगापुर सिटी व यूपी से बुलाए थे बदमाश; 4 गिरफ्तार, 4 की तलाश

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। मुहाना गांव में बुधवार रात ज्वैलर से हुई सवा करोड़ की डकैती का पुलिस ने 72 घंटे में खुलासा कर 4 बदमाशों को पकड़ लिया। गिरफ्तार चारों आरोपी रोहित सैनी उर्फ रिंकू, अंकित मीणा, दीपक बलाई व लोकेश सैनी मुहाने के रहने वाले हैं। फरार 4 बदमाशों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। बदमाश ज्वैलर को लूटने के लिए एक माह से प्लानिंग कर रहे थे। दो बार असफल होने के बाद गंगापुर सिटी के बदमाशों से संपर्क किया तो उसने यूपी से लड़के बुलाए और वारदात को अंजाम दिया। वारदात के लिए बदमाशों ने मानसरोवर से कार किराए पर ली। वारदात को अंजाम देने के बाद उसी कार से लालसोट-दौसा गए। जहां माल का बंटवाया किया और छिपाने के बाद अगले दिन वापस आकर कार लौटा दी। इधर, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बिना नंबरी कार का रूट-मैप तैयार किया और चार बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने बताया कि मुहाना बस स्टैंड से श्रीराम प्रजापति ज्वैलर्स पर गिरोह के बदमाश के परिचित ने गहने बनवाए थे। तब देखा कि इस दुकान ज्वैलर माल ज्यादा रखता है। ऐसे में बदमाश पिछले एक माह से लगातार रैकी कर रहे थे। करीब एक माह पहले बदमाशों ने बाइकों पर सवार होकर लूट का प्रयास किया, लेकिन सफल नही हो पाए। उसके बाद दो और साथियों को ?मिलाया और दो सप्ताह पहले थार गाड़ी किराए पर लेकर लूट का प्रयास किया, लेकिन फिर असफल हो गए। तब बदमाशों ने गंगापुर सिटी के एक बदमाश ने संपर्क किया और ज्वैलर के बारे में पूरी जानकारी दी। तब उसने यूपी के कुछ बदमाशों से संपर्क कर लड़के बुलाए। इस बार किराए की कार ली और बुधवार शाम को अंधेरा होते सुनसान जगह पर तैनात कर दिया। उसके बाद रैकी करने वाले रिंकू को बाइक लेकर दुकान के पास भेज दिया, ताकि ज्वैलर का पता चल सके। ज्वैलर रामकरण प्रजापत रात करीब सवा 9 बजे रवाना हुए तो रिंकू बाइक से आगे-आगे चल रहा था। सुनसान जगह पर उसने साथियों को इशारा किया तो रामकरण की गाड़ी रुकवाई और सरिए व डंडों से हमला कर दिया। ज्वैलर उतरकर जान बचाने के लिए भागे तो बदमाशों ने बैग उतार लिया।

भागने के रास्तों की जानकारी से पुलिस को अंदेशा था बदमाश लोकल हो सकते हैं

वारदात के बाद एडिशनल डीसीपी ललित किशोर शर्मा ने एसीपी आदित्य काकड़े व मुहाना एसएचओ मदन कड़वासरा के नेतृत्व में एक दर्जन टीमों का गठन किया। इनमें सीएसटी व साउथ जिले की डीएसटी को भी शामिल किया। उक्त टीमों ने ज्वैलर की शॉप व घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर रूप-मैप बनाया। बदमाशों ने भागने के लिए जिन रास्तों का इस्तेमाल किया था, उससे पुलिस को अंदेशा हो गया कि बदमाश लोकल हैं। ऐसे में पुलिस ने दुकान के आस-पास लगे कैमरों के पुराने फुटेज देखे तो एक संदिग्ध की पहचान हो गई। आरोपी रोहित सैनी और लोकेश सैनी ने व्यापारी को लूटने के लिए बाइक से 4 दिन रैकी की। दिवाली पर ज्यादा माल होने की संभावना के चलते यह समय चुना। इससे पहले नवरात्र में भी प्रयास किया था। फुटेज में कार का इनपुट मिला तो मालिक से संपर्क कर जीपीएस रूट बनाया।

शीत सत्र में जम्मू-कश्मीर को राज्य बनाने का प्रस्ताव

हाल ही में पीएम-गृह मंत्री से मिले थे उमर, इसी साल राज्य बहाली का आश्वासन मिला था

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। केंद्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्ज़ा बहाल करने पर सहमति बन गई है। वहीं, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बना रहेगा। नवंबर के आखिरी सप्ताह में शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में इससे जुड़ा प्रस्ताव लाया जाएगा। राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 30 अक्टूबर को गृह मंत्री अमित शाह और 31 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान उमर ने पूर्ण राज्य का दर्ज़ा बहाल करने का आग्रह किया था। उन्हें इसी साल राज्य बहाली का आश्वासन मिला था। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35 ए हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्ज़ा बहाल करने का भरोसा दिया था। हालिया राज्य विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने इसे दोहराया था। पूर्ण राज्य का दर्ज़ा बहाल करने का प्रस्ताव उपराज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजा गया। केंद्र सरकार ही जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव की प्रक्रिया कर सकती हैं। दरबार मूव से रोक हटी, जम्मू-श्रीनगर राजधानी केंद्र सरकार ने ‘दरबार मूव’ पर लगी रोक भी हटा ली है।

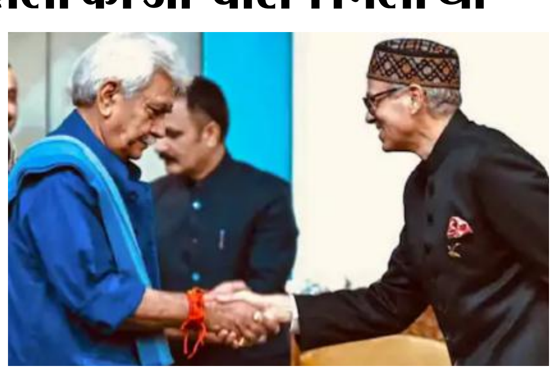

पूर्ण राज्य के दर्जे के बाद जम्मू-कश्मीर में क्या-क्या बदलेगा ?

पुलिस और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य सरकार के पास आ जाएगी। सरकार का पुलिस पर सीधा नियंत्रण होगा। भूमि, राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर कानून बनाने का अधिकार भी राज्य सरकार को मिल जाएगा। सरकार चलाने में तब राज्यपाल का दखल नहीं होगा। वित्तीय मदद के लिए केंद्र पर निर्भरता खत्म होगी। वित्त आयोग से वित्तीय सहायता मिलेगी। राज्य की विधानसभा को पब्लिक ऑर्डर यानी सार्वजनिक व्यवस्था और समवर्ती सूची मामलों में कानून बनाने के अधिकार मिलेंगे। सरकार कोई वित्तीय बिल पेश करती है तो इसके लिए उसे राज्यपाल की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी। एंटी करप्शन ब्यूरो और अखिल भारतीय सेवाओं पर राज्य सरकार का पूरा नियंत्रण हो जाएगा। यानी राज्य में अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग राज्य सरकार के हिसाब से होंगे, उस पर उपराज्यपाल का नियंत्रण नहीं रहेगा। चुनाव के बाद गठित सरकार की पहली कैबिनेट मीटिंग में राज्य का दर्ज़ा बहाल करने का प्रस्ताव पास करके उप-राज्यपाल को भेजा गया था। एलजी मनोज सिन्हा ने 19 अक्टूबर को प्रस्ताव मंजूर करने के बाद गृह मंत्रालय को भेज दिया था। अब पहले की तरह सर्दी में राजधानी जम्मू और गर्मी में श्रीनगर होगी। एलजी ने तीन साल पहले आर्थिक भार का हवाला देकर दरबार मूव बंद कर दिया था। इसका खर्च केंद्र सरकार को ही उठाना पड़ता था।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, कांग्रेस की तीसरी लिस्ट में 16 नाम

■ संजीवनी टुडे

दूसरी लिस्ट में 23 नामों की घोषणा की थी; अबतक 88 उम्मीदवारों ऐलान कर चुकी

नई दिल्ली/मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शनिवार रात को तीसरी लिस्ट जारी की है। इसमें 16 प्रत्याशियों का ऐलान किया गया है। आज सुबह कांग्रेस ने दूसरी लिस्ट जारी की थी, जिसमें 23 नाम थे। पार्टी ने पहली लिस्ट में कांग्रेस ने 48 नामों का ऐलान किया था। कांग्रेस की जारी तीन लिस्ट में अब तक 88 कैंडिडेट्स का ऐलान हो चुका है। इधर, आम आदमी पार्टी ने शनिवार को महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। हालांकि, अरविंद केजरीवाल ख्रठ्ठ के लिए कैंपेनिंग करेंगे। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट, राकांपा शरद गुट और कांग्रेस महा विकास अघाड़ी गठबंधन में शामिल हैं। 23 अक्टूबर को ही तीनों दलों ने 85-85-85 सीटों पर लड़ने की घोषणा की थी। कांग्रेस ने 24 अक्टूबर को 48 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इसमें पार्टी ने नागपुर दक्षिण पश्चिम से डिप्टी एख्र देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ प्रफुल गुडधे को उम्मीदवार बनाया। कांग्रेस के महाराष्ट्र अध्यक्ष नाना पटोले को साकोली सीट से टिकट दिया गया। पृथ्वीराज चव्हाण को कराड साउथ सीट से उम्मीदवार बनाया। अमरावती से सुनील देशमुख को उतारा गया। कांग्रेस की पहली लिस्ट में 5 महिला प्रत्याशियों को टिकट दिया गया। 5 एसटी और 3 एससी उम्मीदवारों का भी एलान किया। सपा ने 5 सीटें मांगीं, अबू आजमी बोले- नहीं दीं तो 25 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे समाजवादी पार्टी (सपा) के महाराष्ट्र प्रमुख अबू आजमी ने एमबीए से पांच सीटों की मांग की है। आजमी ने कहा कि चुनाव से पहले ही सीटों का बंटवारा हो जाना चाहिए था, क्योंकि एमबीए पहले से ही बना हुआ है। अंदरूनी मतभेद होना ठीक नहीं है। सपा भी गठबंधन में है, लेकिन सीटों पर कोई चर्चा नहीं हुई है। मैंने पांच सीटों की घोषणा की है। एमबीए को सीटें मुझे देनी चाहिए। शरद पवार जी ने शनिवार दोपहर तक इंतजार करने के लिए कहा है। मैं इंतजार करूंगा, लेकिन अगर वे हमें शामिल नहीं करते हैं तो हम 25 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

फ्लाइट्स में बम की धमकी पर केंद्र की एडवाइजरी: कहा

झूठी जानकारी रोकने की जिम्मेदारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की, अब 33 को धमकी मिली

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। इंडियन एयरलाइंस की 33 फ्लाइट्स में शनिवार को फिर बम होने की धमकी मिली। इस तरह 13 दिनों में 300 से ज्यादा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिल चुकी है। हालांकि ये सभी जांच में झूठी निकली हैं। उधर, केंद्र सरकार ने इन धमकियों पर सख्त रवैया अपनाया है। आईटी मिनिस्ट्री ने शाम को एडवाइजरी जारी कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से कहा कि अगर वे ऐसी झूठी सूचनाओं को फौरन नहीं हटाते हैं तो उन्हें आईटी एक्ट के तहत मिलने वाली इम्युनिटी रद्द कर दी जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी सूचनाओं को तुरंत हटाकर इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी देनी होगी। पिछले दिनों प्लेन को मिली धमकियों की वजह से एयरलाइंस सर्विस बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। एविएशन मिनिस्ट्री को 600 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। बम की धमकी मामले में अबतक दो पकड़े फ्लाइट में बम की झूठी धमकी देने वाले 25 साल के युवक को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को हिरासत में लिया। पुलिस के मुताबिक 25 साल के शुभम उपाध्याय ने 25 अक्टूबर को आईजीआई एयरपोर्ट पर फ्लाइट में बम की झूठी धमकी वाली दो पोस्ट की थीं। पूछताछ में उसने बताया कि फ़ेमस होने के लिए उसने ऐसा किया है।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने एअर इंडिया फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी दी

फ्लाइट्स में लगातार मिल रही बम की धमकियों के बीच सोमवार को खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एअर इंडिया की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी दी है। पन्नू ने कहा- इस साल 1984 के सिख दंगों की 40वीं बरसी है। दंगों में 13 हजार से अधिक सिख मारे गए थे। इनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। इससे पहले मुंबई पुलिस ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से 17 साल के नाबालिग को हिरासत में लिया था। उसका एक दोस्त से पैसों के लिए विवाद चल रहा था। उसने दोस्त के नाम से डु अकाउंट बनाया और 14 अक्टूबर को 4 फ्लाइट में बम होने की झूठी पोस्ट की थी। 13 दिन में 300 पार हुआ फ्लाइट्स को फर्जी धमकी का आंकड़ा शनिवार को 33 उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसमें इंडिगो, एअर इंडिया और विस्तारा की 11-11 फ्लाइट्स हैं। इसके साथ ही देश में बीते 13 दिन में 300 से ज्यादा फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। ये सभी धमकियां सोशल मीडिया के जरिए दी गईं। मुंबई से उड़ने वाली तीन फ्लाइट को 14 अक्टूबर को बम से उड़ाने की धमकी मामले में मुंबई पुलिस ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में छापा मारा। पुलिस ने मोबाइल और कंप्यूटर कारोबारी के बेटे समेत 4 नाबालिगों को हिरासत में लिया।

मणिपुर में पिछले 1 साल में 1480 हथियार बरामद

असम राइफल्स ने बताया- 426 इंटेलिजेंस ऑपरेशंस में करीब 130 बंकर तबाह किए

■ संजीवनी टुडे

इम्फाल। बीते एक साल में असम राइफल्स ने मणिपुर में 426 इंटेलिजेंस ऑपरेशंस में 1480 हथियार बरामद किए। भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय, कोलकाता में एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान उग्रवादियों के कई ठिकाने भी तबाह किए गए। सेना ने बताया कि मैतेई समुदाय के वर्चस्व वाली इम्फाल घाटी में 220 इंटेलिजेंस ऑपरेशंस चलाए गए। वहीं, कुकी समुदाय के दबदबे वाले मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में 206 ऑपरेशन हुए। इस दौरान इम्फाल घाटी से 550 और पहाड़ी इलाकों से 930 हथियार बरामद हुए। साथ ही, इम्फाल घाटी में 51 और पहाड़ी इलाकों में 78 बंकर भी नष्ट किए गए। चार दिन पहले पीपुल्स वॉर ग्रुप के 6 मेंबर पकड़े थे मणिपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता 22 अक्टूबर को हाथ लगी थी। पुलिस ने इंफाल पूर्वी जिले से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया था। ये लोग निजी बिजनेस, सरकारी ऑफिस और नागरिकों को निशाना बनाकर जबरन वसूली नेटवर्क चला रहा था। इसके अलावा अवैध हथियारों के सौदे में भी शामिल थे। पुलिस ने इनसे करीब 3.89 लाख रुपए नकद, एक कार और दो मोटरसाइकिल समेत कई मोबाइल फोन जब्त किए थे। इनकी पहचान ओइनम अबुंग मीतेई, लेइमापोकपम हरि मीतेई, याइखोम लुखोई सिंह, ओइनम बिजेन मीतेई, अथोकपम इनाओबी देवी और मोइरंगथेम इचन देवी के रूप में की है। दिल्ली में मीटिंग के बावजूद 8 दिन पहले फिर शुरू हो गई थी हिंसा जिरिबाम जिले में 19 अक्टूबर को हिंसा भड़क गई थी। बोरोबेकरा इलाके के एक गांव में उग्रवादियों ने सुबह 5 बजे फायरिंग कर दी। बोरोबेकरा पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने गांव में बम भी फेंके थे। बोरोबेकरा, जिरिबाम से 30 किमी दूर है।

बारामूला हमले में 3-4 आतंकी शामिल थे: सेना बोली

जवाबी हमला होने पर आतंकियों ने हथियार-बैग छोड़ा, अंधेरे में जंगल की ओर भागे

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में हुए आतंकी हमले को लेकर नए खुलासे हुए हैं। बारामूला के एसएसपी मोहम्मद जैद मलिक ने भास्कर को शनिवार सुबह बताया कि हमले में 3-4 आतंकियों के शामिल होने के सबूत मिले हैं। आतंकियों को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन लगातार तीसरे दिन भी जारी है। उधर, आर्मी के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एमके साहू ने कहा- सेना के वाहन पर गोलीबारी होने पर हमारे सैनिकों ने तेजी से जवाबी कार्रवाई की थी, जिससे आतंकवादियों को हथियार और बैग छोड़कर पीछे हटना पड़ा। वे एक नाले का फायदा उठाकर घने जंगल में भाग गए। अंधेरा होने के कारण आतंकियों को भागने में सफलता मिली।दरअसल, एलओसी के पास 24 अक्टूबर की देर रात सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने घात लगाकर हमला किया था। इसमें 3 जवान शहीद हुए थे। साथ ही 2 पोर्टर वर्कर्स की भी मौत हुई थी। सेना ने कहा- घाटी में आतंक का राज ही आतंकियों की विचारधारा लेफ्टिनेंट कर्नल एमके सिंह ने कहा- भारतीय सेना राइफलमैन कैसर अहमद शाह और राइफलमैन जीवन सिंह की बहादुरी को सलाम करती है।

देश की सेवा करते हुए सर्वोच्च बलिदान

दोनों ने गोली लगने के बावजूद आतंकवादियों को भागने पर मजबूर कर दिया। दोनों शहीदों के साहस से और अधिक नुकसान नहीं हुआ। दोनों जवानों ने कश्मीर में पाकिस्तान के आतंकी एजेंडे के खिलाफ अटूट साहस का परिचय दिया। हमले में बोनियार के जहूर अहमद मीर और उरी के मुश्ताक अहमद चौधरी ने भी देश की सेवा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। कश्मीर लगातार शांति और स्थिरता की ओर बढ़ रहा है, लेकिन पाकिस्तानी आतंकवादी जानबूझकर घाटी में आतंक पैदा करने के लिए कश्मीरी स्थानीय लोगों को निशाना बना रहे हैं। आतंकवादियों की एकमात्र विचारधारा है ‘घाटी में आतंक का राज’ है। हमले की जिम्मेदारी आरएएफएफ ने ली सेना के सूत्रों के मुताबिक हमले में शामिल 3-4 आतंकियों ने उत्तरी कश्मीर के बोटापथरी सेक्टर में एलओसी से घुसपैठ की थी। इस हमले की जिम्मेदारी पीपल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने ली। उसने हमले की जिम्मेदारी वाली पोस्ट और हमले के पहले की एक तस्वीर भी जारी की।

मुख्यमंत्री रहे राजसमंद दौरे पर: स्व. किरण माहेश्वरी का जीवन हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत: मुख्यमंत्री

किरण माहेश्वरी स्मृति मंच की ओर से आयोजित 'दीपावली स्नेह मिलन एवं अलौकिक स्मरण समारोह' में पहुंचे मुख्यमंत्री

संजीवनी टुडे

राजसमंद। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामय उपस्थिति में राजसमंद में किरण माहेश्वरी स्मृति मंच की ओर से 'दीपावली स्नेह मिलन एवं अलौकिक स्मरण समारोह' आयोजित हुआ। मंच की संयोजक, पूर्व मंत्री स्वर्गीय किरण माहेश्वरी की पुत्री और राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने सभी अतिथियों का स्वागत-अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने यहां पहुंचते ही पूर्व मंत्री स्वर्गीय किरण माहेश्वरी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए, फिर मंच की ओर प्रस्थान किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वे बहन किरणजी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं और सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामना देते हैं। मुख्यमंत्री ने मंच से सभी अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय किरण माहेश्वरी ने राजनीति के क्षेत्र में कर्मठता से मेहनत की, वे छोटे पदों से आगे बढ़ी, उन्होंने पहले पार्षद का चुनाव लड़ा, जनता के बीच मेहनत की, आगे चल कर वे सांसद, विधायक और राज्य सरकार में मंत्री बनी। स्वर्गीय किरण जी का व्यक्तित्व, उनकी समझदारी, सबको साथ लेकर चलने का जज्बा हमें आज भी रास्ता दिखाता है। उन्होंने कहा कि वे निरंतर किरण जी से संवाद करते थे, कोरोना के दौर में संक्रमित होने के बावजूद उन्होंने जन सेवा के कार्य जारी रखे, उनकी पुत्री और राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी उनके पदचिन्ह पर चल रही है, विधायक दीप्ति माहेश्वरी जब भी जयपुर आती है, अपने क्षेत्र के विकास के लिए हर बार कोई न कोई मांग लेकर आती है। स्वर्गीय किरण जी के संस्कारों पर चलते हुए उनकी विरासत को उनकी पुत्री राजसमंद विधायक दीप्ति आगे बढ़ा रही है। आमजन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सदैव

गांव-ढाणी, युवा, महिलाओं के विकास को लेकर चिंतित रहती है। सरकार ने संकल्प पत्र के पचास प्रतिशत वादों को पूरा कर लिया है। पेपर लीक में एसआईटी बनाई जाकर सख्त कार्रवाई हुई है। किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ने से किसानों को राहत मिली है। राज्य की बजट घोषणाओं के पूरे होने के बाद धरातल पर व्यापक परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा कि वे किसान का दर्द समझते हैं, किसान को पानी-बिजली की जरूरत होती है, हम ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति की ओर हैं, हम वर्ष 2027 तक राज्य को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने आते ही पात्र परिवारों को 450 रुपये में गैस सिलेंडर देना शुरू कर दिया, पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम कि जिससे आमजन को सीधी राहत पहुँची। हम राज्य की 8 करोड़ जनता के लिए निरंतर काम कर रहे हैं, हर किसान, मजदूर, युवाओं की पीड़ा समझते हैं। आने वाले समय में हमारा राजस्थान 'विकसित राजस्थान' बनेगा। राइजिंग राजस्थान के तहत राज्य में ऐतिहासिक काम हो रहा है, इसके माध्यम से हम राज्य में अधिक से अधिक निवेश लाने का प्रयास कर रहे हैं। आमजन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हम इन पांच वर्षों में चार लाख युवाओं को नौकरियां देंगे, दो साल का एडवांस कैलेंडर जारी किया है, राज्य में अधिकाधिक रोजगार के अवसर आने वाले समय में होंगे। मुख्यमंत्री ने जिले के लिए की गई बजट घोषणाओं का मंच से जिक्र किया और एक-एक बजट घोषणा की जानकारी आमजन दी। उन्होंने कहा कि हर बजट घोषणा के क्रियान्वयन को लेकर सरकार कृत संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री ने 5 करोड़ 20 लाख रुपए ऋण के चेक राजीविका की 300 स्वयं सहायता समूहों को दिया। इसके पश्चात स्वर्गीय किरण माहेश्वरी के योगदान को रेखांकित करती 'अक्षय किरण पत्रिका' का विमोचन किया। इसके पश्चात 30 दिव्यांगों को किरण माहेश्वरी स्मृति संस्थान द्वारा भेंट ट्राई साइकिल वितरित की। राजसमंद से उदयपुर लौटते समय उन्होंने नाथद्वारा में प्रभु नाथ जी की शयन झांकी के दर्शन किए और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंदिर मंडल पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री का समाधान पद्धति से स्वागत किया।

खबरें फटाफट

मतदान दलों के कार्मिकों और माइक्रो ऑब्जर्वर का सैकंड रेंडमाइजेशन

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। चौरासी विधानसभा उपचुनाव के 251 पोलिंग बूथ के लिए मतदान दल कार्मिकों और माइक्रो ऑब्जर्वर का द्वितीय रेंडमाइजेशन शनिवार को हुआ। सामान्य प्रेक्षक श्रीमती श्रेया पी. सिंह, व्यय प्रेक्षक श्री स्वप्निल शरद बावकर, जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अंकित कुमार सिंह की मौजूदगी में रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग के सॉफ्टवेयर के माध्यम से की गई। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश चंद्र धाकड़, रिटर्निंग ऑफिसर कपिल कोठारी, जिला परिषद सीईओ हनुमान सिंह राठौड़, डीआईओ एनआईसी विपिन खन्ना, एडिशनल डायरेक्टर डीओआईटी सुनील डामोर भी उपस्थित रहे।

दो स्थाई वारंटी गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। भदेसर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में 15 साल व चैक अनादरण के मामले में 08 साल से फरार दो स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा हैं। इसी क्रम में मंडफिया न्यायालय के एनडीपीएस एक्ट में 15 साल से स्थाई वारंटी चंदेरिया थाने के पांचली निवासी रतनलाल पुत्र भैरूलाल गुर्जर को थाने के एएसआई गोवर्धनलाल, हैड कानि. गंगाराम, कानि. प्रहलाद व अशोक ने गिरफ्तार किया तथा चैक अनादरण के 08 साल पुराने एक मामले में वांछित स्थाई वारंटी भदेसर थाने के कन्नौज निवासी रामलाल आचार्य को थाने के एएसआई मुकेश कुमार, हैड कानि. केलाशचन्द्र व कानि. विक्रम ने गिरफ्तार किया है।

ऑनलाइन गेमिंग के जरिये आमलोगों से ठगी करने के मामले में दो आरोपी की अग्रिम जमानत कोर्ट ने की रद्द

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। ऑनलाइन गेमिंग के जरिये आमलोगों से ठगी करने के साइबर थाने पर दर्ज प्रकरण में भाई-बहन दो आरोपियों द्वारा सेशन कोर्ट चित्तौड़गढ़ में अग्रिम जमानत के लिए लगाई गई अर्जी कोर्ट ने खारिज कर दी हैं। दुबई में बैठ कर संचालित किया जा रहा जोगणिया बुक ऐप ऑन लाईन गेम के मुख्य सूत्रधार बालमुकुन्द ईनाणी के साथी आरोपी सलूम्बर जिले के ताहेरा स्कूल के पास, बोहरावाड़ी सलूम्बर निवासी कामाक्षी पुत्री मनोहरलाल चौबीसा व उसके भाई संजय चौबीसा की अग्रिम जमानत को सेशन कोर्ट चित्तौड़गढ़ ने खारिज कर दिया है।

22 किलो से अधिक डोडा चुरा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिले के कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने जलिया चैक पोस्ट पर नाकाबंदी के दौरान एक व्यक्ति के कब्जे से 22 किलो 160 ग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर द्वारा अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ कार्यवाही हेतू चलाये जा रहे अभियान के तहत अधिकाधिक कार्यवाही हेतू एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन एंव डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्रीलाल राव के सुपर विजन में थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहैडा राम सुमेर मीणा पुलिस निरीक्षक व जाप्ता हैड कानि हरविन्द्र सिंह, कानि. अमित, राकेश, रणजीत, विजयसिंह, शीशपाल चालक सरियाराम के द्वारा नीमच- चितौड़गढ़ हाईवे रोड जलिया चेक पोस्ट पर नाकाबन्दी के दौरान आरोपी मध्यप्रदेश के नीमच जिले के खैरमालिया थाना बघाना निवासी 35 वर्षीय रामचन्द्र रावत पुत्र. भॅवर लाल रावत के कब्जे शुदा प्लास्टिक के कट्टे मे भरा 22 किलो 160 ग्राम अवैध अफीम डोडा चुरा जब्त कर आरोपी रामचन्द्र रावत को गिरफ्तार किया जाकर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

जयपुर की सिंगर सरिता राव व नीदरलैंड के आर्टिस्ट ओटो दी जोंग ने पिरोयी फ्यूजन की मेलॉडी

संजीवनी टुडे

जयपुर जंक्शन बैंड का संभव टाइटल से एलबम नीदरलैंड में एलबम रिलीज

जयपुर। जयपुर जंक्शन बैंड ने नीदरलैंड में संभव टाइटल से नया एलबम रिलीज किया है। गौरतलब है कि यह बैंड जयपुर की सूफी गायिका सरिता राव व नीदरलैंड के ड्रमिस्ट ओटो दी जोंग ने मिलकर बनाया है। इसमें ऑथेंटिक तबला रिदम्स और जज रॉक ड्रम्स का सिंथेसाइजर जैसे साज का मिश्रण बड़ी ही खूबसूरती से किया है जो दिलों को लुभाता है। एलबम के प्रोड्यूसर फनकार ऑटो दी जोंग है। वहीं सिंगर सरिता राव ने गीतों को लिखने के साथ- साथ अपनी सुरीली आवाज से इन्हें संवारा है। सिंथेसाइज़र पर एरविन तुइजल, गिटार पर साहिल बहल और तबले पर इमरान खान ने सुर, लय और ताल का कर्णप्रिए ताना बाना बुना है। गानों का इंग्लिश ट्रांसलेशन दिल्ली की तृप्ति अग्रवाल ने किया है। यह बैंड खासतौर से राजस्थान की सांस्कृतिक मूल्यों से सराबोर

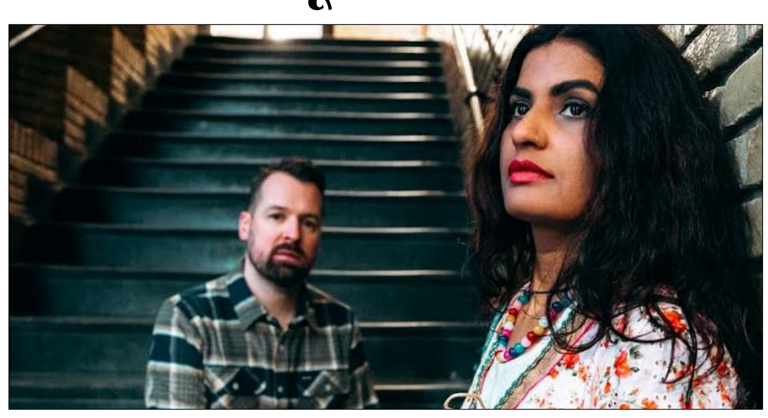

पारंपरिक संगीत और यूरोप के स्वतंत्र रॉक म्यूजिक फ्यूजन की मेलॉडी से देश-दुनिया के दानिशमंद श्रोताओं एक नया अनुभव करा रहे हैं। साल 2019 से अस्तित्व में आए जयपुर जंक्शन बैंड अपने करिश्माई संगीत से दुनियाभर में लोकप्रिए हो रहा है। जयपुर (इंडिया) की सिंगर और लिरिसिस्ट सरिता राव और नीदरलैंड के ड्रमर और प्रोड्यूसर ओटो दे जोंग का बनाया संभव टाइटल से उनका दूसरा एलबम है। यह बैंड उत्तर भारत के पारम्परिक संगीत और यूरोप के स्वतंत्र रॉक म्यूजिक का एक मिश्रित फ्यूजन है। शास्त्रीय गायिका सरिता राव राजस्थानी संगीत कीभ्भी हुनरमंद कलाकार है। संभव एलबम के तमाम गाने खासतौर से पुराने जमाने के एलपी प्लेयर पर उपलब्ध है, जो यूरोप में संगीत प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय है। इस एलबम के दो गीत मन मुसाफिर... और बाबो कहीं ...पहले से ही स्पॉटीफाई एप्पल म्यूजिक व यूट्यूब जैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।

मादक पदार्थों की तस्करी में फरार 25 हजार रुपये का ईनामी बदमाश श्रीराम सुथार गिरफ्तार

एक दर्जन से अधिक मामलों में था वांछित: जिला स्तर के टॉप 10 अपराधी में शामिल

संजीवनी टुडे

पुलिस अपराधी की दो करोड़ से अधिक की संपत्ति फ्रिज्ज करवा चुकी हैं।

चित्तौड़गढ़। मादक पदार्थो की तस्करी में 12 प्रकरणों सहित 16 मामलों में चार सालों से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के ईनामी बदमाश श्रीराम सुथार को बस्सी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी श्रीराम सुथार के खिलाफ 21 आपराधिक मामले दर्ज होकर एक दर्जन से अधिक मामलों में वांछित चल रहा था। जिला स्तर के टॉप 10 वांछित अपराधियो की सूची में शामिल था। पुलिस पूर्व में श्रीराम सुथार की दो करोड़ से अधिक की संपत्ति फ्रिज़ करवा चुकी हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि जिले के बस्सी थाना व अन्य थानों सहित राजस्थान एवं हरियाणा के कई जिलों में मादक पदार्थों की तस्करी में 16 मामलों सहित 21 आपराधिक मामलों में लिप्त श्रीराम सुथार बाड़मेर के बालोतरा से 2021 से पैरोल से फरार चल रहा था। उसके बाद 12 प्रकरणों में लगातार मादक पदार्थों की तस्करी करते हुए उसके खिलाफ कुल 16 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें सभी मे वांछित था। बस्सी थाने के चार प्रकरणों में भारी मात्रा में अवैध डोडाचूरा, अफीम व वाहन की जब्ती के मामले में भी वांछित था, जिसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय से 25 हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की हुई थी। आरोपी को जिला स्तर के टॉप 10 वांछित अपराधियों की सूची में चयनित किया हुआ था। आरोपी श्रीराम सुथार की मादक पदार्थों के अवैध व्यापार से एकत्रित की गई करीब दो करोड़ रुपये की संपत्ति को पुलिस ने फ्रिज़ करवाया था। श्रीराम सुथार के खिलाफ हरियाणा के हिसार व रोहतक जिले, राजस्थान के जोधपुर, बाड़मेर, चुरू, भीलवाड़ा व अजमेर जिलों में आपराधिक मामले दर्ज हैं।

वांछित आरोपी श्रीराम सुथार की गिरफ्तारी के लिए एएसपी सरितासिंह व डीएसपी ग्रामीण चितौडगढ शिवप्रकाश टेलर के निर्देशन मे एस.एच.ओ. बस्सी जयेश पाटीदार उ.नि. व थाने के हैड कानि. विक्रम सिंह, कानि. मुकेश कुमार, अनिल, नारायण लाल, मटुल व विजेश द्वारा थाना बस्सी के चारो मामलों में फरार वांछित अपराधी बस्सी थाने के बल्दरखा निवासी 39 वर्षीय श्रीराम उर्फ सरिया पुत्र भैरूलाल सुथार को बस्सी थाने के एनडीपीएस एक्ट व आर्म्स एक्ट के एकमामले में शनिवार को गिरफतार किया गया।

मृत्यु भोज नहीं करने के लिए किया पाबंद

संजीवनी टुडे

सलूंबर। उपखंड अधिकारी पर्वत सिंह चुंडावत के निर्देशन में तहसीलदार सलूंबर मयूर शर्मा ने शनिवार को बड़ी कार्यवाही करते हुए मृत्यु भोज के आयोजन की सूचना प्रशासन को मिली थी। जिसके बाद तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर मृत्यु भोज को रूकवाया। तहसीलदार मयूर शर्मा ने बताया कि सराडी में मृत्यु भोज कार्यक्रम के आयोजन की सुचना मिली थी। जिस पर तहसीलदार मय जाप्ता सराडी गांव पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों ने आयोजनकर्ता दीपाराम, शंकर, पेमाराम व उनके परिवारजनों को मृत्युभोज कार्यक्रम आयोजित नहीं करने के लिए पाबंद किया गया। तहसीलदार मयूर शर्मा ने परिवारजनों से अपील की है कि मृत्युभोज सामाजिक कुरीति के साथ साथ अपराध भी है, यदि किसी की मृत्यु होने पर उसके पीछे उसके रिश्तेदारों द्वारा किसी प्रकार के भोज का आयोजन किया जाता है तो वह अपराध की श्रेणी में आता है। इसलिए समाज के लोगों को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए तथा इसे रुकवाने के लिए आगे आना चाहिए। मृत्युभोज पर पाबंदी लगाने और एक अपराध होने के बावजूद भी मृत्युभोज होने की सूचना प्राप्त हो रही है जो एक गंभीर विषय है। उन्होंने सभी समाज के पंच पटेलों, जागरूक व्यक्तियों, युवाओं से अपील की है कि मृत्युभोज नहीं करने के लिए प्रेरित करें। इस दौरान भू अभिलेख निरीक्षक वाहिद एवं पटवारी सराड़ी हेमराज भैयावत ने मौके पर उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ प्रगतिशील का जिला स्तरीय शिक्षक सम्मेलन हुआ सम्पन्न

अजय विजय पुनः निर्विरोध जिलाध्यक्ष हुए निर्वाचित

संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। उपखंड के समीपवर्ती गोला का बास स्थित सरसा माता मंदिर में चल रहे राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन का समापन शनिवार को हुआ। इससे पूर्व द्वितीय दिवस का शुभारंभ प्रांतीय मुख्य महामंत्री हरिकिशन यादव की अध्यक्षता और प्रांतीय पदाधिकारी रघुनंदन शर्मा, प्रमोद गुप्ता, सीमा मीणा, रविंद्र गुप्ता, लल्लू राम मीणा, रामचरण सुनारी, महेश गुप्ता, रोशन सैनी आदि की मौजूदगी में शुरू हुआ। प्रथम दिवस में हुए विचार मंथन के दौरान आई सभी मांगों पर सहमति बनी और मांग पत्र तैयार किया गया।

संगठन के प्रमुख वक्ता प्रमोद गुप्ता ने शिक्षा के निजीकरण का विरोध किया तथा प्रधानाचार्य सीमा मीणा ने राज्य में लागू पुरानी पेंशन योजना को यथावत बनाए रखने तथा शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारो पर प्रकाश डाला। राजगढ़ ब्लाक अध्यक्ष मुकेश मीणा द्वारा स्कूलों में चल रहे रिक्त पदों को तत्काल प्रभाव से भरने और शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त कर उन्हें उनके मूल कार्य में लगाए रखना पर बल दिया। रामनिवास मीणा ने संगठन में शक्ति और एकजुटता द्वारा ही शिक्षक सरकार से अपनी बात पूर्ण करा सकते हैं। संभाग अध्यक्ष लल्लू राम मीणा द्वारा नए जिलों और

सभी ब्लॉकों में संघ की कार्यकारिणी नियुक्त करने पर जोर दिया। शिक्षक सम्मेलन के अंतिम सत्र चुनाव प्रक्रिया का रहा जिसमे सर्वसम्मति से अजय विजय को पुनः जिला अध्यक्ष चुनते हुए उनकी कार्यकारिणी को दुबारा ज्यों का त्यों रखा गया, साथ ही टहला ब्लॉक कार्यकारिणी का भी गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से बलवीर सिंह राजावत को अध्यक्ष, रामजीलाल गुर्जर को सभाध्यक्ष, उपसभाध्यक्ष गिरधारी लाल गुर्जर, उपाध्यक्ष ग्यारसी लाल एवं दीनदयाल को तथा मंत्री पद पर धर्मराज मीणा और कोषाध्यक्ष पद बजरंग लाल शर्मा को नियुक्त किया गया। प्रांतीय महिला मंत्री सीमा मीणा द्वारा सभी पदाधिकारीयों को शपथ दिलाई गई। अंत में मुख्य महामंत्री हरिकिशन यादव ने शिक्षकों की सभी मांगों को पुरजोर तरीके से सरकार के समक्ष रखने का वादा किया। सभी प्रांतीय पदाधिकारीयों द्वारा जिला सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए जिला अध्यक्ष अजय विजय, सम्मेलन संयोजक बलबीर सिंह राजावत, सहसंयोजक रामजीलाल गुर्जर का आभार प्रकट करते हुए उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर राजेंद्र सैनी, रामलाल मीणा, विनोद सैनी, देवी सहाय मीणा, सुरेश कुमार, रवि सैनी, अशोक शर्मा, अनिल योगी, बिरदी चंद, रमेश डाबला, महेश गौड़, संतोष सैनी, जितेंद्र सैनी, गीता शर्मा मीना शर्मा सहित शिक्षक सदस्य मौजूद रहे। मंच संचालन राजेश सैनी कंचन द्वारा किया गया।

सांगानेर व्यापार महासंघ के तत्वाधान में सांगानेर बाजार में स्विच ऑन कर रोशनी का उद्घाटन

संजीवनी टुडे

जयपुर। मीडिया प्रभारी पीयूष बच्चानी ने बताया कि सांगानेर में स्थित मैंन बाजार में दीपावली की पूर्व संध्या पर सांगानेर बाजार में दीपावली की सजावट रोशनी का उद्घाटन हुआ इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के डीडी सिंह, प्रताप राव कौशिक, राजीव चौहान, मालपुरा गेट थाना थानाअधिकारी हिम्मत सिंह, विद्युत विभाग के एक्सएन राजीव अग्रवाल, पियूष न्यूरो सेटेलाइट हॉस्पिटल से पुलकित शर्मा, राजेंद्र शर्मा आदि अतिथियों ने सांगानेर बाजार की रोशनी का बटन दबाकर उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में व्यापार महासंघ सांगानेर के मंच पर अतिथियों का गणेश लक्ष्मी माता की मोमेंटो शॉल पहनाकर स्वागत सम्मान हुआ। इस कार्यक्रम में व्यापार महासंघ सांगानेर के सरक्षक बाबूलाल सोनी, अध्यक्ष त्रिलोक चौधरी ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तम चंद बच्चानी, उपाध्यक्ष रामजीलाल शर्मा, महामंत्री ओमप्रकाश शर्मा, मीडिया प्रभारी पीयूष बच्चानी, कोषाध्यक्ष संजय मनोहर शर्मा, मंत्री मनोज टेलानी, राजन नाराणिया व दीपक माहेश्वरी प्रतीक गुप्ता कमल खंडेलवाल आदि पदाधिकारियों ने मच पर सभी अतिथियों ने स्वागत सम्मान किया अतिथियों ने सांगानेर बाजार के सभी व्यापारी भाईयो को दीपावली की शुभकामनाएं दी ।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षको को अन्य कार्यों से करना होगा मुक्त तभी होगा विकास

रेसटा की जिला कार्यकारिणी में सीताराम डूडी जिलाध्यक्ष व पवन शर्मा दूसरी बार निर्वाचित हुए जिला महामंत्री

संजीवनी टुडे

बीकानेर। शिक्षक संघ एलिमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) द्वारा जिला स्तरीय शिक्षक सम्मेलन के दूसरे दिन राबाउमावि सूरसागर में प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद की अध्यक्षता में शैक्षिक संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमे विशिष्ट अतिथि प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर बिश्नोई रहे। सम्मेलन में सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। जिलाध्यक्ष सीता राम डूडी व जिला मंत्री पवन शर्मा ने बताया कि संगोष्ठी में शिक्षा में गुणवत्ता सुधार विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। चर्चा में वर्तमान में शिक्षको को शिक्षण कार्य के अतिरिक्त अन्य गैर शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाता है साथ ही शिक्षकों के लिपिकीय कार्यों में व्यस्त रहने व वर्तमान में शिक्षा विभाग में शिक्षकों के रिक्त पद भी गुणात्मक शिक्षा में बहुत गंभीर समस्या है। प्रतिदिन विभाग द्वारा ऑनलाइन/ऑफलाइन

सूचनाएं मंगवाता है जिससे वास्तविक शिक्षण कार्य प्रभावित होता है। प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर बिश्नोई ने कहा की दो दिवसीय सम्मेलन में शिक्षको से प्राप्त मांगों/समस्याओं का मांग पत्र तैयार कर लिया गया है जिसे शिक्षा विभाग व सरकार को भिजवाया जाएगा। सम्मेलन के दूसरे दिन प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद व प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर बिश्नोई की देखरेख में जिला कार्यकारणी का निर्वाचन हुआ। जिसमें लगातार दूसरी बार जिलाध्यक्ष सीताराम डूडी,जिला महामंत्री पवन शर्मा,जिला सभाध्यक्ष गोपाल शर्मा,जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार यादव,जिला महिला मंत्री हीना मिर्ज़ा,जिला उपाध्यक्ष सुनील शर्मा,जिला महासचिव शालिनी दास,जिला प्रवक्ता अविनाश आशिया,जिला संरक्षक धीरज बारठ,एसएस शर्मा,जिला प्रतिनिधि पवन कुमार राठी,नोखा ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कड़वासरा,पांचू ब्लॉक अध्यक्ष राकेश कुमार धायल,बीकानेर शहर व ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष भंवरलाल आचार्य,पूगल ब्लॉक अध्यक्ष सुशील बिश्नोई,बज्जू खालसा ब्लॉक अध्यक्ष सोमाराम निर्विरोध निर्वाचित हुए। प्रदेशाध्यक्ष सलावद ने सभी शपथ ग्रहण करवाई। इस अवसर पर मनोज कुमार मीना,बाबूलाल मीणा,रेखा चावला,धीरज बारठ,परमेश्वर लाल सोनी,रामदयाल धायल,बस्तीराम बिश्नोई,राकेश सर्वा,चन्द्रप्रकाश जैन,महेंद्र सिंह शेखावत सहित नव निर्वाचित जिला कार्यकारणी के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहें।

वरिष्ठ अध्यापिका की प्रतिनियुक्ति निरस्त करने के आदेश पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

संजीवनी टुडे

जयपुर। लक्ष्मण गढ़ के खूड़ी बड़ी राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय में कार्यरत वरिष्ठ अध्यापिका सुनीता कुमारी की प्रतिनियुक्ति निरस्त करने के आदेश पर हाई कोर्ट में रोक लगा दी है तथा माध्यमिक शिक्षा निदेशक, प्रधानाचार्य राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय खूड़ी बड़ी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। प्रार्थियां सुनीता कुमारी के अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने बताया कि प्रार्थियां वरिष्ठ अध्यापिका के पद पर कार्यरत है। पिछले साल विज्ञापन जारी कर स्काउट आवासीय विद्यालय में प्रतिनियुक्ति से भरने के लिए आवेदन मांगे गए थे। प्रार्थियां भी भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित हुई थी और उसका चयन ही गया। माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक ने 9 अक्टूबर 2024 को आदेश जारी प्रार्थियां की खूड़ी बड़ी स्काउट स्कूल में वरिष्ठ अध्यापिका के पद पर पदस्थापित कर दिया। उक्त आदेश की पालना में प्रार्थियां ने 10 अक्टूबर को राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय खूड़ी बड़ी में कार्यग्रहण कर लिया। प्रार्थियां के कार्यग्रहण करने के महज आठ दिन बाद ही निदेशक ने 18 अक्टूबर को प्रतिनियुक्ति को निरस्त कर दिया और

प्रधानाचार्य ने प्रार्थियां को कार्यमुक्त कर दिया। उन्होंने बताया कि विभाग ने प्रार्थियां की राजस्थान सेवा नियम 1951 के नियम 144 (क) के तहत एक वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति की गई थी और उक्त प्रतिनियुक्ति साधारण नही होकर चयन प्रक्रिया से की गई है लेकिन विभाग ने प्रार्थियां की नियुक्ति को नियम विरुद्ध निरस्त की गई है। इसलिए निदेशक की ओर से जारी प्रतिनियुक्ति के आदेश को निरस्त किया जाए तथा प्रार्थियां के निरंतर स्काउट आवासीय विद्यालय खूड़ी बड़ी में निरंतर कार्यरत रखा जावें। इस पर हाई कोर्ट ने प्रति नियुक्ति निरस्त करने के 18 अक्टूबर के आदेश पर रोक लगाकर राहत दी है तथा कार्यमुक्त कर दिए जाने की स्थिति में पुनः कार्यग्रहण करवाने के आदेश आदेश दिए है।

खबरें फटाफट

शिक्षक डा. अंबेडकर एवं ज्योतिबा फुले के विचारों को आम जनता तक पहुंचाएः मीणा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सचिवजगदीश मीणा पावटा ने शिक्षकों का आह्वान किया है कि वे डाक्टर भीम राव अंबेडकर एवं महात्मा ज्योति राव फूले के विचारों को जन जन तक पहुंचाए।जयपुर शहर के अंबेडकर वेलफ़ेयर सोसाइटी के सभागार में राजस्थान अंबेडकर शिक्षक संघ के प्रांतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए जगदीश मीणा पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रदेश कांग्रेस सचिव ने कहा शिक्षक समाज का प्रमुख स्तंभ है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामनारायण चौधरी ने की कार्यक्रम संयोजक विकास आशीवाल ने सभी अतिथियों का राजस्थानी परंपरा से साफा साल एवं माला भेंट करके स्वागत किया कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार प्रदेश सचिव महासंघ लल्लू राम वर्मा थे इस कार्यक्रम में पूरे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए शिक्षकों ने भाग लिया और प्रस्ताव पास किया कि राजस्थान सरकार से शिक्षकों की मांगों को मनवाने के लिए संघर्ष करना जरूरी है ।राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के द्वारा कर्मचारियों के हित में किए गए ओपी एस पेंशन योजना के निर्णय की कर्मचारियों ने प्रशंसा की।

सड़क दुर्घटना मे श्वास नली फटी, डॉक्टर्स ने निकाला खतरे से बाहर

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। एसआरके मैक्स हॉस्पिटल के चिकित्सको ने दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 17 वर्षीय नाबालिग की जान बचाने में सफलता हासिल की है। दरअसल दुर्घटना में बाइक सवार नाबालिग के गले में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी श्वास नली डैमेज हो गई थी, जिसके कारण मरीज गंभीर स्थिति मे चल गया। इसके बाद मरीज को एसआरके मैक्स में भर्ती करवाया गया। यहां हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा के मार्गदर्शन में डॉ. नूतन पूनिया समेत अन्य क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स की टीम ने मरीज का ट्रीटमेंट शुरू किया। मरीज के श्वास की नली में ट्रेकेस्टोमी लगाई गई। फिर वेंटिलेटर पर लेकर अन्य ट्रीटमेंट शुरू किए गए। मरीज की हालत इसके बाद स्थिर हुई एवं वह खतरे से बाहर आ चुका है। डॉ. राकेश शर्मा ने बताया कि पूरी टीम की यह एक बड़ी सफलता है, उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल में एक्सपर्ट डॉक्टर्स की टीम और अत्याधुनिक विश्वस्तरीय तकनीक एवं उपकरणों के साथ इलाज किया जाता है, जिससे सफलता की संभावनाएं बढ़ जाती है।

क्रिस्टल कोर्ट जयपुर की शान

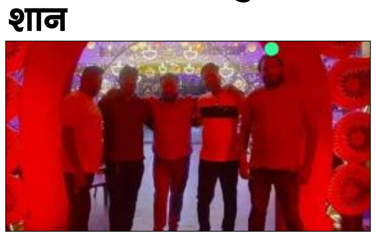

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। क्रिस्टल कोर्ट मॉल जयपुर के मालवीय नगर के इलाक़े में स्थित है। यह जयपुर के प्रसिद्ध मॉलो में से एक है यहाँ मॉल में क़रीब 435 दुकानें हैं मॉल में रेडीमेडस, जूते, किड्स वियर, मोबाइल एसेसरीज व अन्य एसेसरीज की व्यापक रेंज उपलब्ध है। इस मॉल की सोसायटी के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश तीर्थानी का भी व्यापारियों के हितों में हमेशा सहयोग रहता है। क्रिस्टल कोर्ट मॉल रेडीमेड का हब भी है इस मॉल की स्थापना सन 2005 में महिमा ग्रुप द्वारा की गई थी। व्यापारियों के अथक प्रयासों से मॉल को एक नयी ऊँचाई पर स्थापित किया गया है दीपावली के शुभ अवसर पर मॉल को रंगारंग रोशनी से सजाया गया है एवं ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए से मॉल को सुसज्जित किया गया है आने वाले आगन्तुकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसमें सम्पूर्ण रूप से कार / दोपहिया के लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था है।

दीपोत्सव पर विद्यालय में अनेक प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। पंचायत समिति के समीपवर्ती गोठ की चौकी पर स्थित जी.एस.पब्लिक स्कूल में दीपावली पर्व बड़ी धुम-धाम से मनाया गया। जिसमें अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें रंगोली प्रतियोगिता,डांस प्रतियोगिता,दीया प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्कूल के निदेशक महेंद्र कुमार मीना ने बताया कि स्कूल के बच्चों को इस मौके पर दीपावली पर्व के बारे बताया और भाग लेने वाले बच्चों को ईनाम वितरित किया गया। इस मौके पर स्कूल स्टाफ रत्तीराम, वंशिका, दुर्गा, कमलेश, धनबाई, हिमानी,भूपेश, नन्दकिशोर शर्मा, मुकेश पण्डा आदि स्टाफ मौजूद रहें। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को मिठाई वितरण की गयी।

झारखंड , महाराष्ट्र में भी बनेगी भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार : शेखावत

कहा, राजस्थान उपचुनाव के बाद बीजेपी का कुनवा होगा और विशाल और समृद्ध

■ संजीवनी टुडे

जोधपुर। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि हरियाणा की तरह ही झारखंड और महाराष्ट्र में भी भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल होगी। शनिवार को मीडिया से रूबरू हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, हरियाणा चुनाव में सभी विपक्षी पार्टियों ने ऐसा नेरेटिव बनाया कि कांग्रेस जीत रही है, लेकिन डबल इंजन की सरकार का प्रभाव यह हुआ कि भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ ऐतिहासिक सरकार बनाने में सफल हुई। उन्होंने कहा, मैं दावे साथ कह सकता हूं कि झारखंड और महाराष्ट्र में भी भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल होगी। राजस्थान उपचुनाव को लेकर शेखावत ने कहा, जिन 7 सीटों पर उप चुनाव हो रहा है, इनमें भाजपा की एक सीट है, लेकिन मैं जिम्मेदारी के साथ कह सकता हूं कि हम एक से अनेक होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, यहां हमारी सनातन धर्म की भी एक से अनेक होने की परम्परा है। इस उपचुनाव के बाद सनातन धर्म की परम्परा के अनुरूप भाजपा का कुनवा और विशाल और समृद्ध होने वाला है। शेखावत ने कहा कि सरकार आतंकियों के खिलाफ सक्रिय होकर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा, जो भी आतंकी घटना को अंजाम दे रहा है, हमारी सशस्त्र सेनाएं, देश की आर्म फोर्सेज और जम्मू-कश्मीर का प्रशासन मिलकर उन आतंकियों को उनके सही ठिकाने पर भेज रहे हैं, जबकि गैर भाजपा सरकार के दौरान ऐसा देखने को नहीं मिलता था, जगह-जगह विरोध प्रदर्शन होते थे, लेकिन वर्तमान में सभी को मानना ही होगा कि सरकार आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचा रही है।

जयपुर शहर नगीनो, सब शहरा को सिर मौर, चैत का महीना में निकले छ गणगौर

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को राजस्थानी लोकगीत सांझ कार्यक्रम में राजस्थान के लोक गायक पंडित सुरेश पांचाल ने अपनी सुरीली आवाज से राजस्थानी लोकगीतों की ऐसी अविरल धारा प्रवाहित की श्रोता राजस्थानी लोक संस्कृति में मदमस्त होकर आनंद के हिलेरी लेने लगे। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार पंडित सुरेश पांचाल ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से की । उन्होंने सुप्रसिद्ध लोकगीत ढोला जयपुरिया चालो जी दिखा दयो मने तीज को मेलो को बहुत ही मस्ती भरे अंदाज में प्रस्तुत कर लोगों को आनंदित किया । इसके बाद उन्होंने उठ जाओ जी म्हारा पिया परमेश्वर चढ आयो छे तावडो और केला की सी कामली स कईया मारी छे लोकगीत सुनाया तो लोग मंत्र मुग्ध हो गए। अंत में कलाकार सुरेश पांचाल ने बहुत ही प्रसिद्ध लोकगीत जयपुर शहर नगीनों सब शहरा को सिर मौर चैत का महीना मह निकले छ गणगौर को बड़े ही मनोयोग से गाकर राजस्थान की लोक संस्कृति को समृद्ध बना दिया। इनके साथ ढोलक पर सलमान भाई ने अपनी सुरीली संगत से इस संध्या को खुशनुमा बना दिया साथ ही ऑक्टोपैड पर हेमंत अलबेला ने अपनी शानदार संगत से दर्शक की तालियां बटोरी । खुशखरीद के देवेंद्र सिंधवी की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए । संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी,संगीत रेनू सनाढ्य, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

नारी शक्ति भारत का भविष्य: मंजू शर्मा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। ईश्वर ने नारी शक्ति को अपार क्षमताओं से युक्त बनाया है। देश मे महिला शक्ति हर क्षेत्र में आगे आकर भारत का गौरव बढ़ा रही है वह सुनहरे भविष्य का संकेत है। यह विचार झालाना डूँगरी जयपुर स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान में कौशल दीक्षांत समारोह 2024 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए जयपुर की सांसद मंजू शर्मा ने व्यक्त किए। यह आयोजन किया गया । यह संस्थान भारत सरकार , कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान हैं जहां कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्रमों का संचालन किया जाता हैं। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में ड्रेस मेकिंग , कॉस्मेटोलॉजी, फैशन डिज़ाइन, कोपा, ऑफिस मैनेजमेंट जैसे कोर्सस विशेष हैं। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कौशल विकास के माध्यम से महिलाए स्वरोजगार अपनाकर विकास की धारा से जुड़ रही है। दीक्षांत कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद मंजु शर्मा ने गत सत्र 2023,24 परीक्षा में उत्तीर्ण छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं पुरुस्कार वितरित किए । कार्यक्रम में आरडीएसडीई राजस्थान की उपनिदेशक प्रियंका सोमानी एवं प्रधानाचार्य मनहरभाई कातरिया ने संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी एवं अवगत कराया कि कि संस्थान की छात्रा संजू सैनी ने ड्रेस मेकिंग सीआईटीएस योजना अखिल भारत में उच्च अंक प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। इस दौरान नयी दिल्ली स्थित कौशल भवन से कौशल दीक्षांत समारोह (स्किल कॉनवोकेशन सेरेमनी) का लाइव प्रसारण भी छात्राओं को दिखाया गया।

शिक्षक अहिल्याबाई होलकर के समाज के प्रति सेवा कार्यों को बालकों बताए: नरेंद्र भारत

■ संजीवनी टुडे

अलवर। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के अलवर जिला मंत्री जगरुप सिंह तंवर ने बताया कि नजर बगीची , परशुराम चौराहा पर आयोजित दो दिवसीय राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के शैक्षिक सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को बौद्धिक सत्र से प्रारम्भ हुआ । सत्र में अतिथियों ने मां भारती व मां शारदे व संगठन मनिषी रहे जयदेव पाठक के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया । अतिथियों का संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया । मुख्यवक्ता नरेंद्र भारत विभाग प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अलवर विभाग ने बताया कि अहिल्याबाई होलकर की 300 वी जयंती संपूर्ण भारत में मनाई जा रही है । अहिल्याबाई होलकर के व्यक्तित्व और उनके कृतित्व के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए शिक्षकों से अपिल की कि वो अहिल्याबाई होलकर के जीवन साहस, न्यायप्रियता व सामाजिक कार्यों की जानकारी आमजन तक विशेषकर मातृ शक्ति व अध्ययन कर रहे बालकों को बताए। , मुख्य अतिथि महेश गुप्ता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अलवर ने संगठन के क्रियाकलापों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए विश्वास दिलाया कि शिक्षकों की पीईईओ, सीबीईओ, जिला शिक्षा अधिकारी स्तर की परिवेदनाओं का निस्तारण कर ज़ीरो पेंडेंसी रखने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर पर्यवेक्षक महेंद्र लखारा प्रदेश महामंत्री ने संगठन और सरकार के बीच हुई विभिन्न वार्ताओं और सरकार द्वारा संगठन के प्रयास से शिक्षक व शिक्षार्थी हित में किये कार्यों पर प्रकाश डाला, विशिष्ट अतिथि प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंचल कुमार शर्मा ने संगठन के बारे में विस्तार से बताया। भूपेंद्र द्विवेदी जिला साक्षरता अधिकारी अलवर, देवेंद्र सिंह मुख्य ब्लाक अधिकारी कुम्हेर व राजेंद्र तिवारी जिला अध्यक्ष ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कैलाश कूलवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया, इस सत्र में कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन मंत्री रमाकांत शर्मा ने किया। भोजन अवकाश के बाद जिला अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में प्रदेश महामंत्री महेंद्र लखारा ने जिला कार्यकारिणी व उपशाखा अध्यक्ष, मंत्री, महिला मंत्री एवं कोषाध्यक्ष की संयुक्त बैठक में संगठनात्मक चर्चा की एवं दायित्ववान कार्यकर्ताओं को जिले में प्रवास कर कार्यकर्ताओं से सतत संपर्क बनाये रखनें के निर्देश दिये।

देशभर में आयोजित होगा दीवाली विद माय भारत कार्यक्रम

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा माय भारत की प्रथम वर्षगाठ के अवसर पर दीवाली विद माय भारत कार्यक्रम 28 से 30 अक्टूबर तक देश के प्रत्येक जिले में आयोजित होगा। इस देशव्यापी कार्यक्रम को विभिन्न प्रकार के स्वयंसेवी गतिविधियों के जरिये सफल बनाने की तैयारियां प्रारम्भ कर दी गयी हैं। इस अवसर पर समुदाय की सेवा और स्थानीय सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए स्वयं सेवको के द्वारा अस्पतालों में रोगियों की सहायता और चिकित्सा सेवाओं तक पहुँच में मदद करना, बाजार सफाई अभियान में व्यापार संघो के स्थानीय संस्थाओं के स्वयंसेवक भाग लेगें। नेहरू युवा केंद्र संगठन के पश्चिम क्षेत्र राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और गोवा के क्षेत्रीय निदेशक डॉ भुवनेश जैन ने बताया कि देश के प्रत्येक जिलें में स्थानीय स्तर पर कॉलेज, विधालय, युवा मण्डलों एवं विभिन्न ज्ञान संस्थानों के सहयोग में स्वयंसेवकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया दीवाली विद माय भारत कार्यक्रम में माय भारत, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, आल इण्डिया ट्रेडर्स एसोसियशन, युवा क्लब, माय भारत में पंजीकृत स्वयंसेवक, स्थानीय यातायात पुलिस विभाग, अस्पताल एवं बाजार संघ आदि सहयोग प्रदान करेगें और संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम में भागीदारी देगें।नेहरू युवा केन्द्र संगठन के पश्चिम क्षेत्र कार्यालय में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और गोवा के 112 जिलों में दीवाली विद माय भारत कार्यक्रम आयोजित किये जावेगें। इसमें 75 जिलों में नेहरू युवा केन्द्र 37 जिलो में राष्ट्रीय सेवा योजना के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे । दीवाली विद माय भारत कार्यक्रम राजस्थान में आयोजन हेतु नेहरू युवा केन्द्र संगठन के क्षेत्रीय निदेशक डा. भुवनेश जैन, राज्य निदेशक कृष्ण लाल पारचा, राष्ट्रीय सेवा योजना से क्षेत्रीय निदेशक एसपी भटनागर, ट्रेडर्स ऐसोसियशन के मनोज द्रोलिया, हेमन्त प्रभाकर एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य सुभाष गोयल के साथ संवाद का आयोजन किया गया ताकि राजस्थान राज्य के स्थानीय भागीदारी में माय भारत की प्रथम वर्षगाठ उद्देश्य पूर्ण तरीके से आयोजित हो सकें।

सीजन 12 क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ उद्घाटन

■ संजीवनी टुडे

गंगापुरसिटी। जिले के नादौती ब्लॉक की ग्राम पंचायत रौंसी के गौकुंड धाम बामलाई पर रौंसी क्रिकेट क्लब द्वारा सीजन -12 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन शुरू हुआ जिसमें मुख्य अतिथि समाजसेवी वीना देवी मीना पत्नी सीताराम मीना , विशिष्ट अतिथि पंचायत शिक्षक संघ के प्रदेश संयोजक रामजीत पटेल , मेघराम मीना , ग्राम सहकारी समिति के अध्यक्ष कुंजीलाल मीना सहित ग्रामीण मौजूद रहे इस प्रतियोगिता में करौली , गंगापुर सिटी , सवाईमाधोपुर , भरतपुर , दौसा जिले की लगभग 34 टीमों ने पहले आओ पहले पाओ के आधार पर रजिस्ट्रेशन करवाया है इसकी एंट्री फीस 1550 रुपए विजेता को 31 हजार उपविजेता को 21 हजार रुपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा आयोजन समिति से अनिरुद्ध पथिक उर्फ सीटू , तीरथ पोसवाल , भगवान सहाय मीना , रामवीर पोसवाल , सतेंद्र पोसवाल , मोहित शर्मा , नाहर सिंह जाटव सहित सैकड़ों ग्रामीण दर्शक मौजूद रहे , प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच रलावता बनाम दानालपुर के बीच खेला गया जिसमें दानालपुर ने 106 रन बनाए लक्ष्य का पीछा करते हुए रलावता 101 रन बना सका दानालपुर ने उद्घाटन मैच जीतकर अपने नाम किया रौंसी क्रिकेट क्लब की ओर से यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष दीपावली के पर्व पर आयोजित होती हैं आयोजन समिति ने बताया कि इस प्रतियोगिता से खेल की भावना तो बढ़ती ही है साथ ही हमारे गांव के सभी कर्मचारी/छात्रों का एक मिलन समारोह जैसा माहौल भी गांव में बनता हैं ।

ओमरॉन हेल्थकेयर ने त्यौहार और संक्रमणकालीन मौसम के दौरान रेस्पिरेटरी मैनेजमेंट के लिए नेबुलाइज़र के उपयोग की सलाह दी

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। त्यौहारों के मौसम के साथ ही सर्दियों का आगमन भी शुरू हो चुका है और धुंध, पार्टिकुलेट मैटर में वृद्धि और तापमान में गिरावट की वजह से संक्रमण बढ़ने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इन कारणों से अक्सर रेस्पिरेटरी सिस्टम में कई समस्याएं आ जाती है। इन समस्यों से बचने के लिए लोगों को अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सही उपाय का उपयोग करना जरुरी हो जाता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए ओमरॉन हेल्थकेयर इंडिया रेस्पिरेटरी सिस्टम को स्वस्थ रखने के लिए लोगों को जागरूक कर रहा है। त्यौहारी मौसम में ऐसे उत्सव मनाए जाते हैं जो वायु प्रदूषण को बढ़ाने में योगदान करते हैं। इससे अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) जैसी सांस संबंधी तकलीफें बढ़ जाती हैं। इसके साथ ही, कुछ अध्ययनों जैसे कि सीजनल वेव्स ऑफ़ रेस्पिरेटरी डिसऑर्डर्स अध्ययन 2022 ने महत्वपूर्ण मौसमी रुझान दिखाए हैं। अध्ययन से पता चलता है कि अस्थमा के मामले गर्मियों में 26.5% से बढ़कर ठंड में 31.4% हो जाते हैं, जबकि सीओपीडी के मामले गर्मियों में 8.1% से बढ़कर सर्दियों में 21.1% हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, श्वसन पथ के संक्रमण (आरटीआई) और तपेदिक भी महत्वपूर्ण मौसमी रुझान दिखाते हैं, आरटीआई गर्मियों में 4.3% से बढ़कर सर्दियों में 13.3% हो जाते हैं, और तपेदिक के मामले गर्मियों में 4.1% से बढ़कर ठंड में 12.5% हो जाते हैं। राजस्थान में, हनुमानगढ़ जैसे छोटे शहर प्रदूषण के हॉटस्पॉट के रूप में उभरे हैं, जो दिल्ली जैसे प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों को को भी पीछे छोड़ रहे हैं। औसत सर्दियों के पीएम 2.5 का स्तर 171.6 एनजी/एम तक पहुँचने के साथ, ऐसे शहर श्वसन स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता और कार्रवाई की आवश्यकता को उजागर करते हैं। ओमरॉन हेल्थकेयर इंडिया के प्रबंध निदेशक तेत्सुया यामाडा कहते हैं, ष्गंभीर वायु प्रदूषण और अन्य कारकों के कारण, लगभग 70 मिलियन लोग श्वसन रोगों से पीड़ित हैं। खास तौर पर अस्थमा से संबंधित मौतों का रुझान चिंताजनक है, जो केवल भारत में ही बढ़ रहा है। 1990 में अस्थमा से मरने वालों की संख्या करीब 120,000 थी, लेकिन अब यह 200,000 से अधिक हो गई है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए, ओमरॉन नेबुलाइजर्स के इस्तेमाल की सलाह देता है। प्रबंध निदेशक तेत्सुया यामाडा ने कहा, ओमरॉन नेबुलाइजर्स को फ़ेफड़ों में सीधे दवा पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे श्वसन संबंधी परेशानी से तुरंत और प्रभावी राहत मिलती है। उन्होंने आगे कहा, "हमारा लक्ष्य लोगों को सटीक और उपयोगकर्ता के अनुकूल डिवाइस के साथ सशक्त बनाना है ताकि वे अपने डॉक्टरों की देखरेख में अपने श्वसन स्वास्थ्य का सक्रिय रूप से प्रबंधन कर सकें।'

भाव कला नृत्य अकादमी का जयपुर में उद्घाटन

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। झोटवाड़ा मे केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा भाव कला नृत्य अकादमी का शुक्रवार को उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अकादमी की संस्थापक डॉ. सीमा राठौड़ द्वारा लोक नृत्य के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में रवि जैन (प्रिंसिपल सेक्रेटरी), विधायक बालमुकुंद आचार्य ,ज्योति खंडेलवाल (पूर्व महापौर), नेशनल अवार्डी रामु की उपस्थिति के साथ ही अजय सिंह चौहान (पार्षद-झोटवाड़ा), नारायण सिंह दिवराला (अध्यक्ष- करनी सेना), सोमेंद्र हर्ष, अंशु हर्ष, निखिल, गीतांजलि, सोनल, पूनम खंगारोत, जया राठौर सहित अतिथियों का स्वागत मदन सिंह शेखावत, रूप सिंह राठौड़ एवं संग्राम सिंह द्वारा किया गया । जोधपुर में सफलता के बाद अब जयपुर में भी अकादमी का शुभारंभ हुआ, जिसमें डॉ. सीमा राठौड़ ने नृत्य कला की समृद्ध परंपराओं को सहेजते हुए, कत्थक और भरतनाट्यम में डिप्लोमा की शिक्षा प्रदान करने की योजना रखी है, डॉ. सीमा राठौड़ पिछले 13 वर्षो से घूमर और राजस्थानी सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य कर रही हैं। उनकी अकादमी में घूमर, कालबेलिया, भवाई, तेरहताली, घेर डांस, चंग डांस समेत अनेक पारंपरिक नृत्य शैलियों की शिक्षा दी जाती है। अकादमी के छात्रों ने इन कलाओं में महारत हासिल कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बेहतरीन प्रस्तुतियां दी हैं और कई प्रतिष्ठित पुरस्कार भी जीते हैं। इस कार्यक्रम ने न केवल जयपुर की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में एक नया कदम उठाया है, बल्कि देश-विदेश में भारतीय संस्कृति की गूंज को और अधिक प्रबल किया है।

जयपुर जिला कार्यकारिणी चुनाव में रामस्वरूप अध्यक्ष, पुष्प भूषण जिला मंत्री एवं डॉ.अमित मीना जिला प्रवक्ता चुने गए

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के जयपुर जिला द्वारा महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय ,आदर्श नगर में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मेलन का शनिवार को समापन हुआ प्रदेश प्रवक्ता मुकेश मीना ने बताया की सम्मेलन के दूसरे दिन शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने स्व आचार संहिता के विभिन्न बिन्दुओ पर प्रकाश डाला प्रशासनिक अध्यक्ष व संरक्षक सियाराम शर्मा ने कहा की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षक ईमानदारी व सजगता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें साथ ही सरकार को चेताया की सरकार शिक्षकों को अनावश्यक गैर शैक्षणिक कार्यो में नहीं उलझाए, सरकार अपने घोषणा पत्र में किए गए शिक्षा, शिक्षार्थी व शिक्षक हितों से जुड़े वायदो को पूरा करें सम्मेलन के संयोजक व मुख्य महामंत्री नवीन कुमार शर्मा ने सम्मेलन में शामिल हुए शिक्षकों का आभार जताया समापन सत्र की अध्यक्षता संरक्षक रामेश्वर लाल सैनी ने की प्रवक्ता डॉ अमित मीना ने बताया की सम्मेलन के दौरान ही जयपुर महानगर की कार्यकारिणी के सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न कराए गए । जिसमे जिलाध्यक्ष रामस्वरूप वर्मा, जिला मंत्री पुष्प भूषण शर्मा, डॉ.अमित मीना प्रवक्ता , नरेंद्र कुमार शर्मा कोषाध्यक्ष, शिवराम शर्मा एवं आनंद सिंह फागडा संरक्षक, रूपनारायण मीणा संगठन मंत्री, सुरेंद्र गुर्जर एवं विजय सिंह मीणा संयुक्त मंत्री, कुलजीत सिंह कार्यकारी अध्यक्ष, महेश मीणा सभाध्यक्ष ,भंवर सिंह राठौड़ उप सभाध्यक्ष, चंद्र प्रकाश यादव गिर्राज मीणा कोमल शर्मा उपाध्यक्ष, महिला मंत्री रचना राठौड, ऑडिटर सत्यनारायण शर्मा, सोनू मीणा महिला उपाध्यक्ष, सेवाराम गुर्जर सदस्य वरिष्ठ अध्यापक, विजय कुमार विजय सदस्य पुस्तकालयाध्यक्ष, सदस्य शारीरिक शिक्षक विरदी चंद मीणा तथा जिला प्रवक्ता डॉ.अमित मीना चुने गए निर्वाचन अधिकारी नवीन कुमार शर्मा ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

बांटने की संस्कृति से देश का विकास कैसे होगा!

भारतीय राजनीति में खैरात बांटने एवं मुफ्त की सुविधाओं की घोषणाएं करके मतदाताओं को ठगने एवं लुभाने की कुचेष्टाओं का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है। महाराष्ट्र एवं हरियाणा विधानसभा चुनाव के सन्दर्भ में ऐसी अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाओं को हमने देखा एवं आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखते हुए अरविन्द केजरीवाल ऐसी ही घोषणाओं की झड़ी लगा रहे हैं। लोकतंत्र में इस तरह की बेतुकी एवं अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं आश्वासन राजनीति को दूषित करते हैं, जो न केवल घातक है बल्कि एक बड़ी विसंगति का द्योतक हैं। किसी भी सत्तारुढ़ पार्टी को जनता की मेहनत की कमाई को लुटाने के लिये नहीं, बल्कि उसका जनहित में उपयोग करने के लिये जिम्मेदारी दी जाती है। इस जिम्मेदारी का सम्यक निर्वहन करके ही कोई भी सत्तारुढ़ पार्टी या उसके नेता सत्ता के काबिल बने रह सकते हैं। कहां गया विकासवाद का परचम, देश को विकसित देशों की श्रेणी में कतारबद्ध खड़ा करने की सोच? पार्टियां जिस तरह अपनी सीमा से कहीं आगे बढ़कर लोक-लुभावन वादे करने लगी हैं उसे किसी भी तरह से जनहित में नहीं कहा जा सकता। बेहिसाब लोक-लुभावन घोषणाएं और पूरे न हो सकने वाले आश्वासन पार्टियों को तात्कालिक लाभ तो जरूर पहुंचा सकते हैं, पर इससे देश के दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक हालात पर प्रतिकूल असर पड़ने की भी आशंका है।

प्रश्न है कि क्या सार्वजनिक संसाधन किसी को बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने चाहिए? क्या जनधन को चाहे जैसे खर्च करने का सरकारों को अधिकार है? तब, जब सरकारें आर्थिक रूप से आरामदेह स्थिति में न हों। यह प्रवृत्ति राजनीतिक लाभ से प्रेरित तो है ही, सांस्थानिक विफलता को भी ढकती है, और इसे किसी एक पार्टी या सरकार तक सीमित नहीं रखा जा सकता। अर्थव्यवस्था और राज्य की माली हालत को ताक पर रखकर लगभग सभी पार्टियों व सरकारों ने गहने, लैपटॉप, टीवी, स्मार्टफोन से लेकर चावल, दूध, घी तक बांटा है या बांटने का वादा किया है। यह मुफ्तखोरी की पराकाष्ठा है। मुफ्त दवा, मुफ्त जाँच, लगभग मुफ्त राशन, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त विवाह, मुफ्त जमीन के पट्टे, मुफ्त मकान बनाने के पैसे, बच्चा पैदा करने पर पैसे, बच्चा पैदा नहीं (नसबंदी) करने पर पैसे, स्कूल में खाना मुफ्त, मुफ्त जैसी बिजली, 200 रुपए महीना, मुफ्त तीर्थ यात्रा। जन्म से लेकर मृत्यु तक सब मुफ्त। मुफ्त बाँटने की होड़ मची है, फिर कोई काम क्यों करेगा? मुफ्त बांटने की संस्कृति से देश का विकास कैसे होगा? पिछले दस सालों से लेकर आगे बीस सालों में एक ऐसी पूरी पीढ़ी तैयार हो रही है या हमारे नेता बना रहे हैं, जो पूर्णतया मुफ्त खोर होगी। अगर आप उनको काम करने को कहेंगे तो वे गाली देकर कहेंगे कि सरकार क्या कर रही है?

विडम्बना एवं विसंगति की हदें पार हो रही हैं। ये मुफ्त एवं खैरात कोई भी पार्टी अपने फंड से नहीं देती। टैक्स दाताओं का पैसा इस्तेमाल करती है। हम 'नागरिक नहीं परजीवी' तैयार कर रहे हैं। देश का टैक्स दाता अल्पसंख्यक वर्ग मुफ्त खोर बहुसंख्यक समाज को कब तक पालेगा? जब ये आर्थिक समीकरण फ़ेल होगा तब ये मुफ्त खोर पीढ़ी बीस तीस साल की हो चुकी होगी। जिसने जीवन में कभी मेहनत की रोटी नहीं खाई होगी, वह हमेशा मुफ्त की खायेगा। नहीं मिलने पर, ये पीढ़ी नक्सली बन जाएगी, उग्रवादी बन जाएगी, पर काम नहीं कर पाएगी। यह कैसा समाज निर्मित कर रहे हैं? यह कैसी विसंगतिपूर्ण राजनीति है? राजनीति छोड़कर, गम्भीरता से चिंतन करने की जरूरत है। वर्ष 2020 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए दिल्ली में महिलाओं को मेट्रो और डीटीसी बस में मुफ्त यात्रा के साथ-साथ बिजली-पानी-शिक्षा-चिकित्सा को लगभग मुफ्त उपलब्ध कराने की जो विसंगतिपूर्ण घोषणाएं की हैं, उसने अनेक सवाल खड़े कर दिये हैं। यह विसंगति इसलिये है कि दिल्ली सरकार एक तरफ तो कह रही है कि दिल्ली में विकास के लिए पैसा नहीं लेकिन मुफ्त की यात्रा के लिए 1300 करोड़ की सलाना सब्सिडी देने के लिए तैयार हो गई है। लोकतंत्र में इस तरह की बेतुकी एवं अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं आश्वासन राजनीति को दूषित करते हैं। दिल्ली से पहले यह सब खेल तमिलनाडु की राजनीति से शुरू हुआ था जहां साड़ी, मंगलसूत्र, मिक्सी, टीवी आदि बांटने की संस्कृति ने जन्म लिया। भाजपा एवं कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल इससे अछूते नहीं हैं। आज देश के ऐसे बहुत से राज्य हैं जहां इसका विस्तार हो गया है। यह संस्कृति थमने का नाम ही नहीं ले रही है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

देश को तोड़ने की साजिश के नफरती मंच

आजकल फ़ेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों पर ऐसी सामग्री परोसी जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक एवं राष्ट्र-विरोधी होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है। फ़ेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब पर पांव पसार रही है देश को तोड़ने की साजिशें एवं जनता के दिलों में दरारें डालने की उच्छृंखलताएं। इन राष्ट्र-विरोधी विध्वंसात्मक उपक्रमों, नफरत फैलाने वाले भाषणों, तोड़मोड़ कर प्रस्तुत करते घटनाक्रमों, हिंसा एवं साम्प्रदायिकता पर जश्न मनाने और भ्रामक सूचनाएं परोसने की जैसे होड़-सी लग गई है। यह तथ्य खुद फ़ेसबुक और कुछ अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने अपने अध्ययन के बाद प्रकट किए हैं। अध्ययनकर्ताओं ने दो साल पहले फ़ेसबुक पर खाते खोले और लगातार नजर बनाए रखी कि इस मंच पर भारत में कैसी सामग्री परोसी जा रही है। वे देख कर हैरान हो गए कि उनमें भ्रामक सूचनाओं और नफरत फैलाने वाले विचारों का अंबार लगा हुआ है। हालांकि फ़ेसबुक का दावा है कि वह किसी आपत्तिजनक सामग्री को प्रकाशित नहीं करता, ऐसा करने वालों को तुरंत चेतावनी भेजता और सामग्री को रोक देता है। प्रश्न है कि फ़ेसबुक की यह व्यवस्था यहां क्यों फैल हो गयी? कहीं खुद फ़ेसबुक ऐसी नफरत की आंधी को सर्वव्यापी बनाने के लिये जिम्मेदार तो नहीं है?

कहने को ट्विटर, यू-ट्यूब, फ़ेसबुक सामाजिक मेल-जोल के मंच कहे जाते हैं, लेकिन इन मंचों पर जितनी राजनीतिक, धार्मिक एवं सामाजिक नफरत एवं द्वेष फैलाया जा रहा है, वह चिन्ताजनक हैं। फ़ेसबुक के आंतरिक दस्तावेज़ों के मुताबिक़ फ़ेसबुक भारत में भ्रामक सूचना, नफ़रत वाले भाषण और हिंसा को लेकर जश्न मनाने वाले कंटेंट को रोक नहीं पा रहा है, पर बड़ा सवाल है कि वह क्यों नहीं रोक पा रहा है? क्या यह भारत के खिलाफ एक षडयंत्र का संकेत है? प्रश्न यह भी है कि इस प्रकार की भ्रामक, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक एवं नफरत-द्वेष फैलाने की नीति से किसका हित सध रहा है? विचित्र है कि भारत में ऐसी प्रवृत्तियां तेजी से बढ़ी हैं। सच्चाई यह है कि भारत की कुल बाईस भाषाओं में से केवल पांच में फ़ेसबुक ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए ऐसी सामग्री की जांच एवं विश्लेषण किया जाता है। यहां तक कि हिंदी और बांग्ला जैसी बड़ी भाषाओं में भी परोसी जाने वाली सामग्री का विश्लेषण करने का कोई उपाय उसके पास नहीं है। जाहिर है, इससे उपद्रवी और संकीर्ण मानसिकता के लोगों को एक खुला मैदान मिल गया है, जो देश की शांति एवं सौहार्द की स्थितियों को खंड-खंड करना चाहते हैं या अपने संकीर्ण स्वार्थों को आकार देना चाहते हैं। इन भ्रामक सूचनाओं के माध्यम से चुनाव को प्रभावित करने की साजिश भी होती रही है।

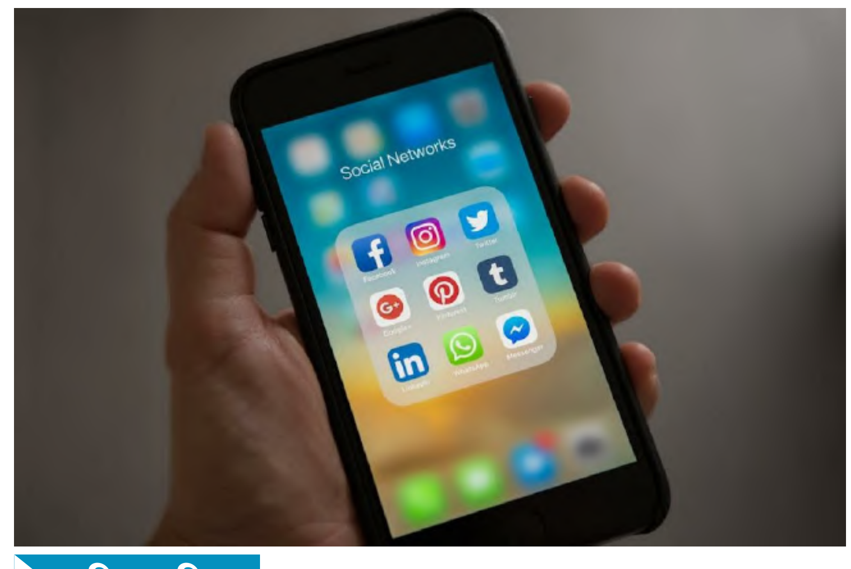

विचार बिन्दु

ललित गर्ग

जो स्वस्थ तरीके से अपने विचार रखते और कई विचारणीय मुद्दों की तरफ ध्यान दिलाते हैं। मगर जिस तरह बड़ी संख्या में वहां उपद्रवी, हिंसक, राष्ट्रीय और सामाजिक समरसता को छिन्न-भिन्न करने वाले तत्त्व सक्रिय हो गए हैं, उससे चिंता होना स्वाभाविक है। उन पर अंकुश लगाने एवं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान करना जरूरी है।

फ़ेसबुक के संस्थापक-सीईओ मार्क ज़करबर्ग ने कहा था कि ह्लफ़ेसबुक के इतिहास में भारत का बहुत महत्व है। कंपनी जब बुरे दौर से गुज़र रही थी और बंद होने की कगार पर थी तब मेरे गुरु स्टीव जॉब्ज़ (एपल के संस्थापक) ने मुझे भारत के एक मंदिर जाने की सलाह दी। वहाँ से लौटकर मुझे आत्मबल मिला और कंपनी सफल होती गई। इसलिये भारत उनकी 'लिस्ट' में ऊपर है। अभी ठीक एक साल पहले फिर ज़करबर्ग ने अपनी भारत यात्रा के दौरान इशारा किया था कि उनका इरादा ग़रीब लोगों तक इंटरनेट पहुँचाने का है। फ़ेसबुक ने भारत में लोकप्रियता की एक नई मिसाल कायम की थी। लेकिन जिस भारत ने फ़ेसबुक को नया जीवन दिया, क्या वह उस देश की अखण्डता को तोड़ने का जिम्मेदार होना चाहेगा? ट्विटर, यू-ट्यूब, फ़ेसबुक जैसे सोशल मंचों का विकास इस उद्देश्य से किया गया था कि उनके जरिए लोग आपस में संपर्क बनाए, स्वस्थ और स्वतंत्र विचार प्रकट कर सकें और आपसी सौहार्द स्थापित कर सके। भारत की प्रगति से ईर्ष्या करने वाली शक्तियों एवं राजनीतिक दलों ने इसे अपने प्रचार एवं तथाकथित संकीर्ण स्वार्थों की पूर्ति का माध्यम बना डाला। भारत में शायद ही कोई राजनीतिक दल हो, जिसके फ़ेसबुक पर आधिकारिक खाते न हों। अधिकारिक खाते होने में कोई त्रुटि नहीं है, पर जब उनके समर्थकों, कार्यकर्ताओं ने फर्जी नामों से खाते बना कर अपने दलगत आक्रामक विचार प्रकट करने शुरू किए, तो वातावरण दूषित एवं हिंसक होता गया। फिर तो न सिर्फ वहां दलगत मतभेद उभरने शुरू हो गए, राजनीतिक स्वार्थ सामने आने लगे। एक दल द्वारा दूसरे दल का विरोध करना, उसे नीचा दिखाना, उसकी प्रगति में बाधा उपस्थित करना एवं सफलता के नये कीर्तिमान गढ़ने वाले दलों का मनोबल गिराना आम बात हो गयी। उनकी इन बनावटी, भ्रामक एवं झूठी सूचनाओं का पर्दाफाश होता है तो एक भी मुद्दा ऐसा नहीं मिलता जो तथ्यपरक, सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलू का स्पर्श करता हो। यह तो जानबूझकर अराजकता फैलाने का जरिया बनता जा रहा है और इनमें विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता आपस में उलझते देखे जाने लगे, बल्कि भ्रामक सूचनाएं तथा नफरती विचार परोस कर उत्तेजना फैलाने में अपनी शान समझने लगे। कई बार इसके बुरे परिणाम भी देखने को मिले हैं, जब लोग ऐसे विचारों के प्रभाव में आकर भीड़ के रूप में हिंसा करते पाए गए। केवल चरित्र-हनन एवं अराजकता फैलाने के उद्देश्य से किया जाने वाला ऐसा प्रयत्न कितना जघन्य एवं राष्ट्र-विरोधी है, समझने वाले व्यक्ति अच्छी तरह समझते हैं। आम-जनता को गुमराह करने और उसका मनोबल कमजोर करने के लिये जो लोग उजालों पर कालिख पोत रहे हैं, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावना है।

राष्ट्र की एकता और अखण्डता, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं प्रगति के नये अध्याय रचती सरकारें- इस देश की संस्कृति है, विरासत है, उसे इस तरह के औछे हथकंडों से पस्त नहीं किया जा सकता। आश्चर्य की बात है कि विरोध की तीव्रता और दीर्घता के बावजूद जिन संस्थाओं, राजनीति दलों, विचारधाओं, नेताओं के अस्तित्व पर कोई आंच नहीं आ सकी तथा विरोधी संवाद लिखने, प्रस्तुत करने वाले अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सके। कभी-कभी ऐसा प्रतीत होने लगता है कि विरोध इन तथाकथित राष्ट्र-विरोधी तत्वों एवं राजनीतिक दलों की नियति है। विचित्र है कि अपने कार्यकर्ताओं की तरफ से फैलाई गई ऐसी अफवाहों, सूचनाओं, विचारों पर कोई भी राजनीतिक दल न तो स्पष्टीकरण देता है और न उन्हें अनुशासित एवं संयमित करने का कोई उपाय ही किसी ने किया है। फ़ेसबुक जैसे मंच निर्बाध हैं, वहां बिना कोई शुल्क अदा किए किसी को भी अपना खाता खोलने की आजादी है। आजकल हर हाथ में स्मार्टफोन आ गया है, उससे बहुत सारे लोगों को इस मंच का बेलगाम इस्तेमाल करने की लत-सी लग गई है। लेकिन इस लत से नुकसान राष्ट्र का होता है। केंद्र सरकार ने पिछले दिनों इन सामाजिक मंचों को अनुशासित बनाने का प्रयास किया था, पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की संवैधानिक व्यवस्था इसमें बड़ी बाधा है। हालांकि सोशल मीडिया के ये मंच स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक भूमिका भी निभाते देखे जाते रहे हैं। उन पर कड़ाई से बहुत सारे ऐसे लोगों के अधिकार भी बाधित होने का खतरा है।

इस दीपावली पर करें ये 4 आसान अचूक टोटके, मां लक्ष्मी आपको बना देगी मालामाल

धन की देवी माँ लक्ष्मी का दीपावली पर पूजन करने के बाद भी अगर वे प्रसन्न नहीं हो रही हैं तो आप यह उपाय करना बिल्कुल न भूलें। इस दीपावली के दिन आप एक नई झाड़ू खरीदे। इस नई झाड़ू की पूजा कर आप पूरे घर की सफाई नई झाड़ू से करें। जिसके बाद झाड़ू को छुपाकर रख दें। दीपावली एवं धनतेरस को धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजन-अर्चन करते हैं। जिससे मां लक्ष्मी धन में वृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती है। हर दीपावली पर अगर आप धन की देवी लक्ष्मी की पूजा विधि विधान से करते हैं फिर भी अगर आपके धन में वृद्धि नहीं हो रही है तो हम आज आपको कुछ ऐसे उपाय बताएंगे जो रातों रात आपको मालामाल बना देंगे। यह चार अचूक टोटके करने से ना सिर्फ आपके घर में मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहेंगी बल्कि आपके धन में लगातार वृद्धि होती रहेगी।

हर बार की तरह धन की देवी माँ लक्ष्मी का दीपावली पर पूजन करने के बाद भी अगर वे प्रसन्न नहीं हो रही हैं तो आप यह उपाय करना बिल्कुल न भूलें। इस दीपावली के दिन आप एक नई झाड़ू खरीदे। इस नई झाड़ू की पूजा कर आप पूरे घर की सफाई नई झाड़ू से करें। जिसके बाद झाड़ू को छुपाकर रख दें। साथ ही दीपावली के दिन होने वाली लक्ष्मी पूजन में एक या फिर दो हल्दी की गांठ रखें। लक्ष्मी पूजन होने के बाद इन हल्दी की गांठ को घर में वहां रखें जहां पर आप अपने रूपये-पैसे रखते हो। ऐसा करने से धन में बरकत बढ़ने लगेगी।

इस दीपावली पर भी आप अपने घर में कुल देवता और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा कुलरीत के अनुसार करें। इसी के साथ आप एक उपाय यह करें कि दीपावली के दिन होने वाली लक्ष्मी पूजन में पीली कौड़िया रखें। पीली कौड़ियों को रखने से धन की देवी मां लक्ष्मी बहुत ही जल्द प्रसन्न होती है। इस उपाय से आपकी सारी धन संबंधी परेशानियां हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी एवं अटका हुआ धन आना प्रारंभ हो जाएगा। दीपावली दीपक का पर्व है। दीपक की रौशनी हमें अंधेरों में शास्वत प्रकाश प्रदान करती है। इसलिए इस दीपावली आप घर तेल के दीपक जलाएं। इनमें से एक दीपक जलाकर उसमें लौंग डालकर रामभक्त श्री हनुमानजी की आरती करें। घर के अलावा आप किसी भी हनुमान मंदिर जाकर दीपावली के दिन यह जरूर करें। जिससे धन की देवी लक्ष्मी के साथ ही आपके व्यवसाय में महाबली हनुमानजी के आशीर्वाद से बल मिलेगा।

भारत में दीपावली का त्यौहार बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। इस दीपावली आप विधि पूर्वक धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा करें। लक्ष्मी पूजन के बाद घर के सभी कमरों में शंख और घंटी बजाए। जिससे घर की सभी नकारात्मक ऊर्ज़ा के साथ दरिद्रता बाहर चली जाएगी और मां लक्ष्मी का आगमन आपके घर में होता रहेगा। जिससे आपके धन में वृद्धि होगी। हमारे द्वारा बताए गए यह चार आसान और अचूक टोटके आप दीपावली के दिन जरूर करें। यह अचूक उपाय करने से आप जल्दी ही मालामाल हो जाएंगे।

आज का इतिहास

27 अक्टूबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1676 पोलैंड और तुर्की ने वारसा की संधि पर हस्ताक्षर किए।
1795 अमेरिका और स्पेन ने सैन लोरेंजो की संधि पर हस्ताक्षर किए।
1806 फ्रांस की सेना बर्लिन में घुसी।
1947 जम्मू कश्मीर के राजा हरि सिंह ने भारत में जम्मू कश्मीर के विलय को स्वीकार कर लिया।
1959 पश्चिमी मेक्सिको में चक्रवाती तूफान से कम से कम 2000 लोग मरे।
1968 मेक्सिको सिटी में 19वें ओलंपिक खेलों का समापन हुआ।
1978 मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात और इजरायल के प्रधानमंत्री मेनाचेम को शांति का नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया।
1995 यूक्रेन में कीव स्थित चेननोबिल परमाणु संयुत्र सुरक्षा संबंधी खामियों के कारण पूर्णतः बन्द किया गया।
1997 एडिनबर्ग (स्काटलैंड) में राष्ट्रकुल शिखर सम्मेलन सम्पन्न।
2003 चीन में भूकम्प से 50,000 से अधिक लोग प्रभावित, बगदाद में बम धमाकों से 40 लोगों की मृत्यु।
2004 चीन ने विशालकाय क्रेन का निर्माण किया। फ्रांस के विदेश मंत्री माइकल वार्नियर दो दिवसीय भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुँचे।
2008 केन्द्र सरकार ने अख़बार उद्योग के पत्रकारों और ग़ैर पत्रकारों को अंतरिम राहत की अधिसूचना जारी की।

जन्मे व्यक्ति

1966 दिब्येन्दु बरुआ - भारत में शतरंज के दूसरे ग्रैंड मास्टर हैं।
1945 लुइज़ इंसियो लूला दा सिल्वा- ब्राज़ील के पैतीसवें राष्ट्रपति रहे हैं।

असंभव को संभव बनाने का नाम है रजनीकांत

विचार बिन्दु

योगेश कुमार गोयल

कविक्कुयिल', 'सहोदरारा सवाल' (कन्नड) और 'चिलकम्मा चेप्पिंडी' (तेलुगू) में सकारात्मक पात्रों का अभिनय किया। 1976 में जाने-माने तमिल फिल्म निर्देशक बालाचंद्र की फिल्म 'मुंडरू मुडिचू' से उन्हें सफलता मिली और फिल्म 'भुवन ओरु केल्विकुरी' में पहली बार हीरो की भूमिका में नजर आए। 'बिल्लू' नामक उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट होने के बाद वे खासतौर से लोगों की नजरों में आए।

दिल्ली में विज्ञान भवन में 25 अक्तूबर को आयोजित 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा सिनेमा जगत के 'थलाइवा' अभिनेता और दक्षिण भारत के सुपरस्टार रजनीकांत को 51वें दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने रजनीकांत को 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में भारत का सर्वोच्च फिल्म सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' प्राप्त करने पर बधाई देते हुए कहा कि रजनीकांत न केवल एक महान-प्रतीक हैं बल्कि भारतीय सिनेमा की दुनिया के लिए एक संस्था हैं। रजनीकांत को यह पुरस्कार दिए जाने की घोषणा इसी वर्ष एक अप्रैल को की गई थी। 70 वर्षीय रजनीकांत ने अपना यह पुरस्कार अपने गुरू के. बालाचंद्र, अपने भाई सत्यनारायण राव तथा अपने बस ड्राइवर दोस्त राजबहादुर को समर्पित किया। दरअसल रजनीकांत को एक बस कंडक्टर से ग्लैमर की दुनिया में पहुंचाने का बहुत बड़ा श्रेय राजबहादुर को जाता है और रजनीकांत इस बात को वर्षों बाद भी नहीं भूले। वर्ष 2019 के लिए भारतीय सिनेमा के इस सर्वश्रेष्ठ सम्मान के लिए रजनीकांत के नाम का चयन पांच ज्यूरी सदस्यों आशा भोंसले, मोहनलाल, विश्वजीत चटर्जी, शंकर महादेवन तथा सुभाष घई ने एकमत से किया था। सिनेमा जगत के किसी एक कलाकार को प्रतिवर्ष दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के लिए चुना जाता है और विजेता को डायरेक्टरेट ऑफ फिल्म फ़ेस्टिवल्स द्वारा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में स्वर्ण कमल, शॉल तथा 10 लाख रुपये नकद पुरस्कार से नवाजा जाता है। अभी तक रजनीकांत सहित कुल 51 हस्तियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है। रजनीकांत करीब पांच दशकों से फिल्म जगत के बेताज बादशाह रहे हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और लगन से लोगों के दिलों में जगह बनाई है और आज फिल्म जगत में सूरज की तरह चमक रहे हैं। तमिलनाडु में तो उनके प्रशंसक उन्हें अपना 'भगवान' मानते हैं, जहां आदर से उन्हें 'थलाइवा' (नेता) कहा जाता है। रजनीकांत की किसी नई फिल्म की घोषणा हो या उनका जन्मदिन, वह अवसर उनके प्रशंसकों के लिए त्यौहार जैसा होता है। अक्सर देखा जाता रहा है कि कैसे उनके प्रशंसक उनके पोस्टरों को दूध में नहलाते हैं, कुछ उनके कटआउट पर फूलमालाएं लादते हैं तो कुछ मूर्ति बनाकर उनकी पूजा करते हैं। उनकी फिल्म रिलीज होते ही उसका पहला शो देखने के लिए कैसे सिनेमाघरों के बाहर रात से ही दर्शकों की कतारें लगती रही हैं, ये तस्वीरें भी अक्सर देखी गई हैं। उनकी सफलता को देखते हुए उनके बारे में कहा जाता है कि असंभव को संभव बनाने का नाम ही रजनीकांत है। रजनीकांत ने अभिनय की अलग शैली तथा अदाकारी का नया स्टाइल विकसित कर उसे इस कदर लोकप्रिय बनाया कि वह 'रजनीकांत स्टाइल' के नाम से विख्यात हो गया। सिगरेट और चश्मे को अपने ही अंदाज में उछालने और पकड़ने की उनकी अदाकारी सिनेप्रेमियों के बीच उनकी विशिष्ट पहचान बन गई। उन्हें वास्तविक जीवन में कभी भी कृत्रिम तरीके से हुलिया नहीं बदलने और कम होते बालों को भी कभी नहीं छिपाकर सहजता से रहने के लिए जाना जाता है। फिल्मी दुनिया में एक्शन हीरो के रूप में उभरने से पहले रजनीकांत बेंगलुरू में कुली और फिर बस कंडक्टर का काम करते थे लेकिन बस में उनका टिकट काटने का स्टाइल बिल्कुल अनोखा था। अपने उसी अंदाज को लेकर वे लोगों के बीच काफी तेजी से लोकप्रिय होने लगे। उनकी उसी खासियत को भांपकर उनके ड्राइवर साथी राजबहादुर ने उन्हें फिल्मों में अभिनय के लिए न सिर्फ प्रेरित किया बल्कि इस कार्य में उनका हरसंभव सहयोग भी किया। राजबहादुर द्वारा प्रोत्साहित करने पर उन्होंने मद्रास फिल्म संस्थान से अभिनय का पाठ्यक्रम किया और आखिरकार एक तमिल फिल्म प्रोड्यूसर ने रजनीकांत को अपनी फिल्म में मौका दे दिया और चॉकलेटी चेहरा नहीं होने के बावजूद रजनीकांत ने अपनी एक्टिंग से बड़े पर्दे पर ऐसा शमां बाधा कि करोड़ों दर्शक उनके अभिनय के मुरीद हो गए। आज वे देश के सर्वाधिक महंगे फिल्मी हीरो में से एक हैं, जिन्होंने वर्ष 2019 में एक फिल्म में काम करने के लिए 81 करोड़ रुपये पारिश्रमिक लेकर रिकॉर्ड बनाया था। निम्न मध्यमवर्गीय मराठा परिवार में 12 दिसम्बर 1950 को जन्मे रजनीकांत के कैरियर की शुरूआत वर्ष 1975 में के. बालाचंद्र द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'अपूर्व रंगांगल' से हुई थी। उस फिल्म में कमल हासन और श्रीविद्या जैसे बड़े सितारे मुख्य भूमिका में थे।

अस्थमा अटैक के पहले के लक्षणों को जानें

गले और ठोढ़ी में खुजली

अस्थमा की समस्या शुरु होने से पहले गले और ठोढ़ी में खुजली की समस्या हो सकती है। यह समस्या क्यों होती है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन ज्यादातर लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं जो कि ठीक नहीं है।

मूड में बदलाव

अचानक से रोगी के मूड में बदलाव देखने को मिलता है। बोलते-बोलते चुप हो जाना, तनाव और चिंताग्रस्त हो जाना भी अस्थमा अटैक का संकेत हो सकता है। अगर आपको या आपके आसपास किसी अस्थमा रोगी में यह लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज ना करें।

कफ

अस्थमा का मुख्य लक्षण है कफ की समस्या। जब यह समस्या पूरी रात आपको सताने लगे तो इसके पीछे कुछ खास वजह हो सकती है। हो सकता है कि यह साइनस या अन्य किसी वजह से हो लेकिन जब किसी अस्थमा रोगी को यह समस्या होती है तो इसे हल्के में ना लें।

सांसों में घरघराहट

अस्थमा रोगी को सांस लेने में समस्या होना सामान्य माना जाता है लेकिन जब सांस लेते वक्त घरघराहट की आवाज आने लगे तो इसे सामान्य ना समझें। यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

सांस लेने में समस्या

अस्थमा अटैक होने से पहले रोगी को सांस लेने में समस्या महसूस होने लगती है क्योंकि सांस लेने वाली जगह के आसपास की मांसपेशियां कठोर हो जाती हैं और एयरवे लाइनिंग में सूजन आ जाती है। अत्यधिक म्यूकस बनने के कारण सांस नली ब्लॉक हो जाती है।

पॉश्चर बदलना

ठीक तरह से सांस लेने के प्रयास में रोगी आगे की तरफ झुकने लगाता है जिससे वो कूबड़नुमा आकार में आ जाता है। लेकिन सांस लेने में कठिनाई होने पर इस स्थिति में आना समस्या को और बढ़ा सकता है।

सीने में जलन

जब अस्थमा की समस्या बढ़ने वाली होती है तो रोगी को सीने में जलन या कुछ अन्य तरह की समस्या भी हो सकती है। अस्थमा ग्रस्त बच्चों में जब यह समस्या होती तो वो समझ नहीं पाते कि उन्हें क्या हो रहा है। ऐसे में उनके माता-पिता को ज्यादा सर्तक रहना चाहिए।

होठों और अंगुलियों में नीलापन

जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है तो होठों और अंगुलियों और होठों पर नीलापन दिखायी देने लगता है। इस स्थिति को केयानोसिस कहते हैं। यह स्थिति इशारा करती है कि रोगी को तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया जाए।

अस्थमा अटैक से बचने के लिए जरूरी है कि रोगी को उसके पहले दिखायी और महसूस होने वाले संकेतों के बारे में पता हो? इव संकेतों के बारे में जानकारी आपको अस्थमा अटैक से बचाने में मददगार साबित हो सकती है। आइए जानें अस्थमा अटैक से पहले दिखने वाले लक्षणों के बारे में।

सेहत का सतरंगी खजाना

अपने बोरिंग खाने में जरा रंग भरिए। गहरे रंग के फलों और सब्जियों, जैसे खुबानी, गाजर और लाल व पीली मिर्च और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों, अस्थमा के मरीजों के लिए लाभप्रद बीटा-कैरोटीन नाम का एक खास तत्व पाया जाता है। जिस सब्जी या फल का रंग जितना गहरा होगा उसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा उतनी अधिक होगी।

आपके लिए नहीं है विटामिन-ई

यूं तो विटामिन-ई काफी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अस्थमा मरीजों को इससे जरा दूर ही रहना चाहिए। यह खाना पकाने के लगभग सभी तेलों में मौजूद होता है, लेकिन इसका इस्तेमाल जरा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। सूरजमुखी के बीज, केल (एक प्रकार की गोभी), बादाम और अधिक साबुत अनाजों में विटामिन- ई की मात्रा कम होती है। इन आहारों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

घुटने का दर्द धीमी न कर दे चाल

युवाओं में घुटनों के दर्द के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सही जांच व उपचार में देरी का नतीजा होता है कि हल्का मांसपेशीय दर्द बढ़ कर घुटने, जांघ व कूल्हे की मूवमेंट पर असर डालने लगता है। तीस की उम्र के करीब की एक स्कूल टीचर हैं। घर और काम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हुई वह बेहद व्यस्त रहती हैं। वह जानती हैं कि सेहतमंद और फिट रहना उनके लिए कितना जरूरी है, बावजूद इसके व्यायाम के लिए समय निकालना उनके लिए मुश्किल होता है। व्यायाम की भरपाई के तौर पर उन्होंने कुछ समय पहले खुद को अधिक सक्रिय बनाए रखने का फैसला किया, जिसके चलते वह लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने लगीं और रिक्शा की जगह पैदल घर व बाजार जाने लगीं। वह तीसरी मंजिल पर रहती हैं। शुरुआत में सीढ़ियां चढ़ने में थकान होती थी, पर आदत हो जाने के बाद अब समस्या नहीं होती।

समय रहते दें ध्यान

लेकिन एक माह बाद ही उन्हें सीढ़ियां उतरते हुए सीधे पैर के घुटने में सामने के हिस्से में कुछ परेशानी महसूस होने लगी, पर उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। करीब एक सप्ताह गुजरने के बाद यह परेशानी हल्के दर्द में बदल गई। धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़ते हुए भी पैरों में दर्द होने लगा। डॉक्टर ने इसे घुटने के सामने वाले हिस्से का दर्द बताया, जिसे चिकित्सकीय भाषा में पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम/ एंटीरियर नी पेन या फिर कॉन्ड्रोमेलेसिया पटेला कहते हैं। डॉक्टर ने उन्हें कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने को कहा है। साथ ही सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से बचने की सलाह दी है। दर्द दोबारा न हो, इसलिए मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाने की सलाह भी दी है।

दर्द का कारण

जांघ की हड्डी को फीमर, जोड़ की मुख्य बड़ी हड्डी को टिबिया और नी कैप को पटेला कहते हैं। जांघ की हड्डी और नी कैप से मिल कर जो जोड़ बनता है, उसे पेटेलोफीमोरल जॉइंट कहते हैं। लगभग 20 फीसदी मरीज पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम (पीएफपीएस) के शिकार होते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक होती है। यह दर्द नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच अधिक घर्षण होने के कारण होता है। इस वजह से पंजे की एड़ियों का पिछला हिस्सा, टखना, कूल्हे का ऊपरी हिस्सा, पेडू और पैरों के मध्य में दर्द बढ़ जाता है। नी कैप के जांघ की हड्डी से टकराने के कई कारण होते हैं। पीएफपीएस के अधिक होने का मुख्य कारण पैर की मांसपेशियों का प्रभावित होना है। ये मांसपेशियां एक तरह से हमारे शरीर का इंजन रूम होती हैं, जिनकी सक्रियता के कारण ही हमारी सक्रियता बनी रहती है। चलने से लेकर दौड़ने जैसी हर गतिविधि इन्हीं मांसपेशियों के कारण होती है। जब ये मांसपेशियां ढंग से काम नहीं करतीं तो घुटनों पर दबाव पड़ने लगता है। जांघ के बाहरी और सामने वाले हिस्से की मांसपेशियों पर काफी वजन पड़ता है, जिससे कई बार ये मांसपेशियां चोटिल हो जाती हैं व उनमें खिंचाव आ जाता है। उनका लचीलापन भी कम होने लगता है। मांसपेशियों में अकड़न बढ़ने से दर्द बढ़ने लगता है और मांसपेशियों की कार्यकुशलता कम होने लगती है। घुटने के जोड़ में दर्द भी होता है। आमतौर पर जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों की तुलना में बाहरी मांसपेशियां अधिक कड़ी हो जाती हैं। इस असंतुलन के कारण नी कैप बाहर की ओर उठने लगती है और चलते समय जांघ वाली हड्डी से टकराती है। इसी वजह से नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच सूजन और दर्द बढ़ जाता है।

उपचार का तरीका

फिजियोथेरेपिस्ट दर्द में आराम देने के लिए एक्यूप्रेशर या क्रॉस फ्रिक्शन मसाज तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें दर्द वाले हिस्से पर थोड़ा जोर देकर प्रेशर दिया जाता है। इसके अलावा मालिश से भी काफी आराम मिलता है। नियमित मालिश से मांसपेशियों की अकड़न वाले हिस्से में लचीलापन आ जाता है। कुछ आराम आने पर मांसपेशियों में मजबूती लाने के लिए स्ट्रेचिंग कराई जाती है। अपने डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट से आप घर में किए जाने वाले व्यायाम से राहत पा सकते हैं। आमतौर पर आराम आने में 12 से 16 सप्ताह का समय लग जाता है। घर में व्यायाम, डॉक्टर द्वारा की गयी सही जांच और फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अपनाई गयी विभिन्न तकनीक और मसाज कूल्हे और टखने के लचीलेपन को बढ़ा देते हैं। स्थायी निजात पाने के लिए नियमित व्यायाम करना ही सबसे बेहतर उपाय है। ऐसा करने पर घुटने के आसपास की सभी मांसपेशियां मजबूत हो जाती हैं।

ये व्यायाम देंगे मांसपेशियों के दर्द से आराम

इलियोटिबियल बैंड को कूल्हे, जांघ और घुटने के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों का समूह समझा जा सकता है। इस हिस्से में होने वाले दर्द में राहत पाने के लिए फोम रोलिंग एक प्रभावी तरीका है। इसके लिए आपको एक ट्यूब की जरूरत होगी, जिसे फोम रोलर कहते हैं। यह आसानी से आपको किसी आसपास के स्पोर्ट्स स्टोर से मिल जाएगा। फोम रोलर पर इस तरह लेटें, जिससे आपके शरीर का पूरा वजन जांघ के बाहरी हिस्से पर रहे। जांघ के निचले हिस्से से शुरू कर रोलर को मूव करते हुए धीरे-धीरे ऊपरी हिस्से तक जाएं। हर पैर से ऐसा पांच मिनट तक करें। लगातार दर्द वाली जगह पर इस तरह रोल करना मांसपेशियों को आराम पहुंचाएगा।

जांघ की सामने वाली मांसपेशियां

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि रोलर आपके दोनों घुटनों यानी नी कैप से थोड़ा ऊपर रहे। धीरे-धीरे ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक लाएं। ऐसा 5 से 10 मिनट तक करें।

घुटने का लचीलापन बढ़ाएं

पेट के बल लेटें। पेट की मांसपेशियों को भीतर की ओर खींचें। एक घुटने को मोड़ते हुए पीछे की ओर ले जाएं और पैर से पंजे को पकड़ते हुए एड़ी को कूल्हे पर टिकाने का प्रयास करें। 30 से 60 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। फिर इसे दूसरे पैर से दोहराएं। ऐसा तीन बार करें।

फोम रोलिंग, बाहरी कूल्हे के लिए

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि ये आपकी कूल्हे की हड्डी के पास हो। थोड़ा आगे और पीछे धीरे-धीरे मूव करें। हर तरफ से पांच मिनट ऐसा करें। इससे कूल्हे व कमर दोनों की मांसपेशियां मजबूत बनेंगी। दर्द कम होगा।

विटामिन बी,बना है आपके लिए

ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-बी मौजूद हो, अस्थमा के मरीजों के भोजन का अहम हिस्सा होना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें, अस्थमा मरीजों को तनाव के जरिए होने वाले अटैक से बचाने में सहायक होती हैं। इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि विटामिन बी6 और नियासिन (विटामिन बी3, निकोटिन और विटामिन पीपी) की कमी से भी अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है।

प्याज- खांसी पर वार,गले से प्यार

प्याज चाहे लाल हो या हरा, यह अस्थमा मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्याज में मौजूद सल्फर तत्व अस्थमा के मरीजों को जलन से राहत दिलाते हैं। यह बात साबित हो चुकी है कि प्याज का सेवन सांस संबंधी तकलीफों से भी राहत दिलाने वाला होता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड- अस्थमा में दिलाए राहत

ओमेगा-3 फैटी एसिड फेफड़ों में होने वाली जलन और उत्तकों को होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह जानना बहुत जरूरी है लगातार जलन और खांसी से उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते नियमित अस्थमा अटैक आते रहते हैं। यह मुख्य रूप से सलमन, मैक्रेल और ऐसी मछलियों में पाया जाता है जिनमें ऑयल की मात्रा अधिक होती है।

मसालों को ना, सेहत को हां

मसाले गर्म होते हैं और अस्थमा मरीजों को इनसे दूर ही रहना चाहिए। मसाले खाने से, मुंह, गले और फेफड़ों की कोशिकाएं उत्तेजित हो जाती हैं, परिणामस्वरूप उनमें से साल्विया निकलने लगता है। साल्विया से बलगम पतला हो जाता है। तो, मसालेदार भोजन से दूर ही रहना चाहिए।

दुग्ध उत्पाद, सेहत के साथ स्वाद

वसायुक्त दूध, मक्खन और अन्य दुग्ध उत्पाद अस्थमा होने से रोकते हैं। वे बच्चे जो वसायुक्त दुग्ध उत्पादों का सेवन करते हैं उन्हें सांस में घरघराहट संबंधी तकलीफें भी होने की आशंका कम होती है।

कॉफी- मदद करती है काफी

अस्थमा अटैक होने पर कॉफी का सेवन बहुत मदद करता है। यह श्वसन प्रक्रिया को मदद पहुंचाता है। हालांकि कई डॉक्टर यह भी कहते हैं कि अगर आपके अटैक तनाव के कारण हो रहे हैं तो आपको कैफीन की अधिक मात्रा का सेवन नहीं करना चाहिए।

कैसा हो अस्थमा के मरीजों का आहार

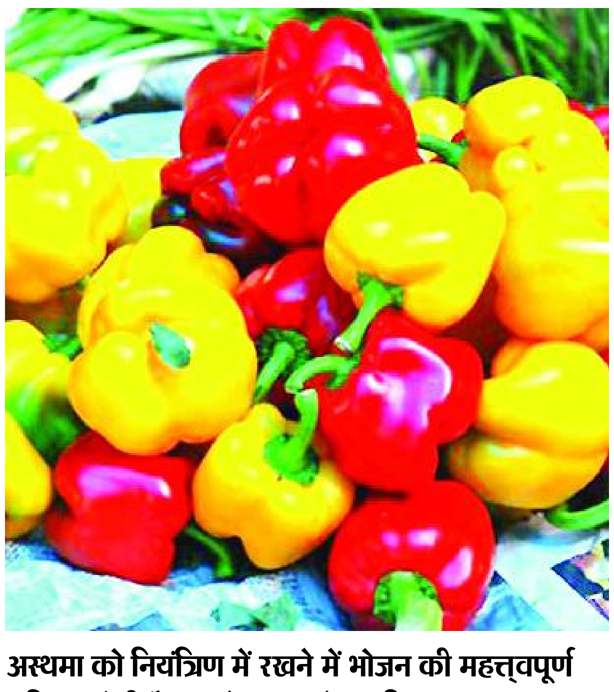

अस्थमा को नियंत्रिण में रखने में भोजन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने आहार में समुचित बदलाव कर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की लिस्ट बहुत लंबी है जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसी कई चीजें हैं जिनसे एलर्जी और अस्थमा अटैक पड़ने का खतरा होता है। तो, आइए जानते हैं कि आपकी रसोई में ऐसे कौन से खाद्य पदार्थ हैं जो आपको अस्थमा से लड़ने में मददगार हो सकते हैं।

संजय दत्त ने शेयर किया 'रानटी' का ट्रेलर...

नई दिल्ली। हिंदी फिल्मों के सुपरस्टार संजय दत्त ने शनिवार को फिल्म अभिनेता शरद केलकर की मराठी फिल्म 'रानटी' का ट्रेलर अपने फैंस के साथ शेयर किया है। संजय ने शरद केलकर को टैग कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म का ट्रेलर जारी किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है कि दशक की सबसे सशक्त मराठी फिल्म समित कक्कड़ द्वारा निर्देशित यह फिल्म 22 नवंबर को रिलीज होगी। फिल्म के ट्रेलर में शरद केलकर एक्शन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर पातालपुर में सेट की गई है। इसमें कहा जा रहा है 'मारना या मारा जाना'। इसमें शरद का दमदार किरदार देखने को मिल रहा है।

लाइफStyle

प्रीति अकेले की बच्चों की देखभाल

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अपने बच्चों के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा की है। इन तस्वीरों में प्रीति ने बताया कि उनके पति दो हफ्तों के लिए बाहर गए हैं, इस कारण उनको अकेले ही बच्चों की देखभाल करनी पड़ी। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अपनी फिल्मों और अभिनय से प्रशंसकों के दिल में जगह बना रखी है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

प्रीति जिंटा अब फिल्मों की दुनिया से दूर अपने जुड़वा बच्चों जिया और जय के साथ रहती हैं। उनके पति जीन गुडइनफ काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं। प्रीति जिंटा सिंगल पैरेंट होने की भूमिका निभाने में माहिर हो गई हैं। प्रीति जिंटा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने बच्चों के साथ मस्ती भरे पलों की झलक साझा की है। प्रीति जिंटा की इस तस्वीर में वे सड़क पर बच्चों का हाथ पकड़े चलते नजर आ रहे हैं। प्रीति ने इन तस्वीरों के साथ एक नोट भी लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा कि पिछले दो हफ्ते उनके लिए काफी परेशानी भरे रहे। काम के सिलसिले में जेने बाहर गए थे। मैं ही बच्चों का ध्यान रख रही थी। इसमें बच्चों को घुमाने ले जाना, स्कूल के लिए तैयार करना, उनका टिफिन बनाना, उनके स्कूल से लाना और डिनर करवाकर उन्हें सुलाना शामिल था। प्रीति जिंटा ने आगे लिखा, मुझे मुश्किल से इन सबके बीच अपने लिए समय मिल पाया। इन कामों को करने के बाद मुझे समझ आया कि लोगों को बच्चों के लिए कितना कुछ अकेले ही करना पड़ता है। वह कितने समझौते जीवन में करते हैं। सभी पेरेंट्स को मेरा सलाम। आप सभी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

हॉलीवुड मसाला

हिप-हॉप में डीजे केंट का योगदान

लॉस एंजिल्स। मशहूर हिप-हॉप निर्माता डीजे क्लार्क केंट का 58 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने इंस्टाग्राम पर इस खबर की पुष्टि की। वह पिछले तीन सालों से कोलन कैंसर से जूझ रहे थे। उन्होंने जे-जेड, नॉटोरियस बिग और मारिया कैरी जैसे कलाकारों के साथ काम किया था। उनका असली नाम रोडोल्फो ए. फ्रैंकलिन था। उनकी पहली बड़ी हिट 1989 में आर एंड बी ग्रुप ट्रूप के स्प्रेड योर विंग्स का रीमिक्स था। वे जूनियर माफिया के 1995 एल्बम कांस्पिरेसी में अपने काम से मशहूर हुए। हिप-हॉप में डीजे केंट का योगदान रहा।

स्पाइडर मैन सीरीज की अगली फिल्म 2026 में होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। एमसीयू ने अपनी अगली स्पाइडर-मैन फिल्म के लिए कमर कस ली है और तैयारी शुरू हो रही हैं। फिल्म की रिलीज डेट भी तय हो गई है। एक बार फिर टॉम हॉलैंड वापसी कर रहे हैं। स्पाइडर-मैन: होमकमिंग में पीटर पार्कर की भूमिका से दर्शकों का दिल जीतने वाले टॉम 'स्पाइडर-मैन 4' में नजर आएंगे। शूटिंग अगले साल से शुरू हो जाएगी। स्पाइडर-मैन की अगली फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं है। हालांकि, फिल्म की शूटिंग अगले साल गर्मियों में शुरू हो जाएगी। वहीं, 2026 में इसे रिलीज किया जाएगा। इसकी रिलीज डेट 24 जुलाई 2026 तय कर दी गई है। 'शांग ची' फेम निर्देशक डेस्टिन डेनियल क्रेटन स्पाइड-मैन 4 का निर्देशन करेंगे। टॉम हॉलैंड को मार्वल सिनेमेटिक यूनिवर्स में स्पाइडर मैन के रूप में प्रशंसक बेहद पसंद करते हैं। स्पाइडर-मैन 4 में एक बार फिर दर्शक टॉम को देखने के लिए बेकरार हैं। स्पाइडर-मैन 4 को लेकर खबरें तो पहले से चल रही थीं, अब आधिकारिक रूप से इसकी तैयारी शुरू हो चुकी हैं।

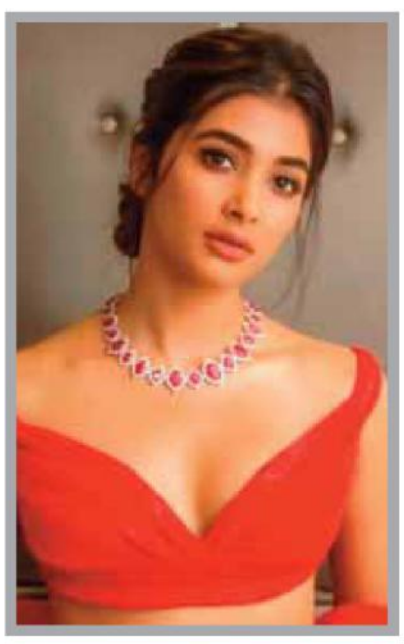

वरुण के साथ पूजा करेंगी रोमांस

मुंबई। अभिनेत्री पूजा हेगड़े को डेविड धवन की आगामी फिल्म में वरुण धवन के साथ अभिनय करने के लिए चुना गया है। फिल्म में उन्होंने श्रीलीला की जगह ली है। पूजा हेगड़े डेविड धवन की आगामी फिल्म में वरुण धवन के साथ अभिनय करने के लिए तैयार हैं, जो अभिनेता के साथ उनकी पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। शुरुआत में खबरें थीं कि श्रीलीला इस भूमिका में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करेंगी। श्रीलीला 'गुंटूर कारम' और 'भगवंत केसरी' जैसी दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। हालांकि, परियोजना के करीबी सूत्रों ने अब पुष्टि की है कि वरुण धवन की फिल्म में श्रीलीला के बजाय प्रमुख महिला के रूप में पूजा हेगड़े चुना गया है। कथित तौर पर फिल्म का शीर्षक 'है जवानी तो इश्क होना है' सोचा गया है।

अजय की 'नाम' 22 को होगी रिलीज...

नई दिल्ली। 'सिंघम अगेन' की रिलीज से पहले अजय देवगन की एक और नई फिल्म का ऐलान हो गया है। निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर जारी कर इसकी रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठाया है। अजय देवगन की नई फिल्म 'नाम' है। इसका निर्देशन अनीस बज्मी करेंगे। अजय देवगन और अनीस बज्मी की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म 'नाम' 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह अजय के साथ अनीस की चौथी फिल्म होगी। इससे पहले वे 'हलचल', 'प्यार तो होना ही था' और 'दीवानगी' में काम कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाम एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी याददाश्त खो देता है और अपनी पहचान खोजने के लिए यात्रा पर निकल पड़ता है। फिल्म की शूटिंग स्विट्जरलैंड और मुंबई में हुई है।

टीवी मसाला

मुस्कान के बाद एक और कंटेस्टेंट होगा बाहर?

नई दिल्ली। बिग बॉस 18 से हाल ही में मुस्कान बामने एविक्ट हो गई हैं। मुस्कान के बाहर होने से दर्शक काफी हैरान हैं क्योंकि, उनकी क्यूटनेस दर्शकों को पसंद आ रही थी। मुस्कान से पहले हेमा शर्मा बाहर हुई थीं। मुस्कान के बाद अब एक और कंटेस्टेंट बाहर होने वाला है। इस हफ्ते डबल एविक्शन होगा। इस हफ्ते शो से बाहर होने के लिए नायरा बनर्जी, अविनाश मिश्रा, रजत दलाल और विवियन डीसेना नॉमिनेट हुए हैं तो हो सकता है इनमें से कोई एक वीकेंड पर बाहर हो जाए। बीते एपिसोड में जब मुस्कान घर से बाहर हुईं तब शिल्पा शिरोडकर काफी इमोशनल हुईं। वहीं, मुस्कान ने जाते हुए बताया कि उन्होंने शो में अपनी रियल पर्सनैलिटी दिखाई है। वहीं, इस हफ्ते वीकेंड का वार में अजय देवगन अपनी फिल्म सिंघम अगेन के प्रमोशन के लिए आएंगे। शो का एक प्रोमो भी सामने आया है जिसमें अविनाश मिश्रा और चाहत पांडे की मां दिख रही हैं और दोनों अपने बच्चों का सपोर्ट करते हुए दिखती हैं तो कुल मिलाकर इस वीकेंड का वार में काफी हंगामा देखने को मिलने वाला है।

धमाकेदार परफॉर्मेंस, अनोखा टैलेंट: इस सीजन का इंडियन आइडल है लाजवाब!

नई दिल्ली। इंडियन आइडल का अब तक हर एडिशन पिछले से अलग रहा है और अब तक इस शो से निकले कई सिंगर्स प्लेबैक सिंगिंग से लेकर स्टेज शो और अब सोशल मीडिया की दुनिया में अपनी पहचान बना चुके हैं। इस बार का शो काफी अलग है। इतना ही नहीं, सेट भी काफी अलग और बिल्कुल नए अंदाज में तैयार किया गया है। शो से जुड़ा हर पहलू कह रहा है कि यह शो सिर्फ प्लेबैक सिंगर्स के लिए नहीं है, बल्कि यह शो स्टेज पर अपने सुरों के साथ परफॉर्मेंस से आग लगा देने वाले टैलेंट का है। इंडियन आइडल सीजन 15 एक गेम चेंजिंग ट्विस्ट के साथ बिल्कुल नए कॉन्सेप्ट के साथ दर्शकों के लिए हैं। इसमें कंटेस्टेंट की परफॉर्मेंस को नए तरीके से मापा जाएगा। कभी वो दौर हुआ करता था जब सिर्फ गायकी को ही सब कुछ माना जाता था।

कपूर खानदान के इस बेटे ने दी हिट पर हिट फिल्में, पर कभी नहीं कहलाया सुपरस्टार

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा खानदान कपूर परिवार ने अभिनय की दुनिया में कई स्टार्स को जन्म दिया। इस वक्त रणबीर कपूर बॉलीवुड में अपनी विरासत को संभाल रहे हैं। कपूर खानदान के ज्यादातर चिराग ने सिने जगत पर राज किया है, लेकिन इनमें से एक को वो मुकाम नहीं मिला जिसका वो हकदार था। कपूर खानदान के इस चिराग ने कपूर फैमिली के सभी स्टार से भी ज्यादा हिट फिल्में दी थी, लेकिन इसे कभी सुपरस्टार वाला टैग नहीं मिला।

कौन है कपूर खान का यह छिपा चिराग? : कपूर खानदान के इस चिराग का नाम हाईएस्ट पेड एक्टर्स की लिस्ट में से एक था, लेकिन कपूर खानदान के बाकी वंशज की तरह वो स्टारडम हासिल नहीं कर पाए। कपूर खानदान के इस चिराग का नाम था त्रिलोक कपूर, जिन्हें आज कोई भी नहीं जानता है। कपूर खानदान की शुरुआत पृथ्वीराज कपूर ने की थी, लेकिन उनके भाई त्रिलोक कपूर के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। त्रिलोक कपूर ने एक नहीं, बल्कि कई हिट फिल्में दीं, मोटा पैसा कमाया, लेकिन स्टारडम हासिल नहीं कर सके।

रणबीर कपूर से ज्यादा हिट फिल्में दीं

त्रिलोक कपूर ने अपने फिल्म करियर में 30 सुपरहिट फिल्में दीं। कपूर खानदान में किसी ने भी इतनी संख्या में हिट फिल्में नहीं दी हैं। शम्मी कपूर ने 28, राज कपूर ने 17 और रणबीर कपूर ने अभी तक अपने करियर में 11 हिट फिल्में ही दी हैं, लेकिन त्रिलोक कपूर को सुपरस्टार और स्टारडम वाला तमगा नहीं मिला।

हाइएस्ट पेड एक्टर्स में था नाम शामिल : त्रिलोक कपूर साल 1912 में जन्में थे और वह पृथ्वीराज कपूर के छोटे भाई थे। त्रिलोक कपूर ने साल 1933 में बतौर एक्टर फिल्म 'चार दर्वेश' से अपने करियर की शुरुआत की थी। त्रिलोक को फिल्म 'सीता' के हिट होने से फेम मिला था। वहीं, दूसरी तरफ पृथ्वीराज कपूर हिंदी सिनेमा में अपने पैर जमा चुके थे। जहां पृथ्वीराज कपूर नेगेटिव और सपोर्टिंग रोल में दिख रहे थे, वहीं त्रिलोक बतौर लीड एक्टर काम कर रहे थे। साल 1933-47 तक त्रिलोक ने कई हिट फिल्में दीं। त्रिलोक ने मीना शौरी, नूर जहां, नलिनी जयवंत और सुशीला रानी पटेल जैसी एक्ट्रेस संग काम किया था।

5 बार टली रिलीज डेट, मेकर्स ने फूंक डाले 95 करोड़, लागत भी नहीं निकाल पाई थी फिल्म...

नई दिल्ली। आज हम आपको एक ऐसी फिल्म का नाम बताते हैं, जिसकी एक-दो बार नहीं, बल्कि पांच बार रिलीज टली थी। मेकर्स ने फिल्म पर पानी की तरह करोड़ों रुपये बहा दिए थे। लेकिन रिलीज के बाद मूवी बॉक्स ऑफिस पर चारों खाने चित्त हो गई थी। स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'जर्सी' साल 2022 के अप्रैल महीने में रिलीज हुई थी। फिल्म के हीरो थे शाहिद कपूर और उन्होंने क्रिकेटर की भूमिका निभाई थी। 'जर्सी' में अपने किरदार के लिए शाहिद कपूर ने खूब मेहनत की थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनका जादू नहीं चला था। शाहिद कपूर के अलावा मृणाल ठाकुर और पंकज कपूर भी फिल्म का हिस्सा थे। 'जर्सी' फिल्म में प्रीत कमानी, रोनित कामरा, शिशिर शर्मा और अन्य कई सितारे भी नजर आए थे। दरअसल, शाहिद कपूर की 'जर्सी' तेलुगु की 'जर्सी' (2019) का हिंदी रीमेक थी, जिसमें नानी ने लीड रोल निभाया था। इस फिल्म का डायरेक्शन गौतम तिन्नानुरी ने किया था।

रिलीज होने में लग गया काफी वक्त

नानी की 'जर्सी' की सफलता के बाद साउथ मेकर्स ने इसे हिंदी में बनाने का फैसला किया। शाहिद कपूर को बतौर हीरो कास्ट कर 'जर्सी' टाइटल से ही हिंदी में फिल्म बनाई गई, लेकिन मेकर्स का दांव उल्टा पड़ गया। सिनेमाघरों में फिल्म ऑडियंस के लिए तरस गई थी, जबकि क्रिटिक्स से फिल्म को अच्छे रिव्यूज मिले थे। 'जर्सी' फिल्म साल 2020 में ही बनकर तैयार हो गई थी, लेकिन इसे रिलीज होने में काफी वक्त लग गया। कभी कोविड 19 तो कभी क्लैश की वजह से फिल्म की रिलीज टलती रही।

देशभर में 20 करोड़ रुपए रहा बिजनेस

शाहिद कपूर की फिल्म को मेकर्स ने भारी-भरकम बजट में बनाया था। 'जर्सी' को बनाने में 95 करोड़ रुपए खर्च हुए थे, लेकिन कमाई बहुत कम हुई थी। यहां तक कि बॉक्स ऑफिस पर 'जर्सी' अपनी लागत निकाल पाने भी फेल हो गई थी। बॉक्स ऑफिस इंडिया के मुताबिक, 'जर्सी' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी डिजास्टर साबित हुई थी। देशभर में फिल्म का टोटल बिजनेस 20 करोड़ रुपए रहा। वहीं, दुनियाभर में फिल्म सिर्फ 30 करोड़ रुपए का बिजनेस कर पाई थी। कलेक्शन के इस आंकड़े से फिल्म की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

भारत-पाक फाइनल मैच में खूब हुई चर्चा, पूरे स्टेडियम में फिल्म के दिख रहे थे बैनर

1986 की हिट फिल्म, देवर-भाभी ने पर्दे पर आने से पहले स्टेडियम में जीते दिल

नई दिल्ली। ये फिल्म थी फिरोज खान के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'जांबाज'। फिल्म में फिरोज खान के साथ अमरीश पुरी, डिंपल कपाडिया, श्रीदेवी और अनिल कपूर नजर आए थे। कहा जाता है कि जब शारजाह के स्टेडियम में जब इंडिया पाकिस्तान के बीच जबरदस्त फाइनल चल रहा था तो पूरे स्टेडियम में इसी फिल्म के बैनर दिख रहे थे।

एक्शन थ्रिलर थी फिल्म 'जांबाज'

ये एक एक्शन थ्रिलर थी और ये दूसरी फिल्म थी जिसे अनिल कपूर ने साइन किया था। पहली फिल्म थी 'मेरी जंग'। फिल्म के कई सीन बेंगलुरू में फिरोज खान के फार्म हाउस पर शूट किए गए थे।

सिनेमा और क्रिकेट का नाता काफी पुराना है। फिर वो क्रिकेट्स संग एक्ट्रेसेस के अफेयर के किस्से हो या क्रिकेट पर बनी फिल्में हो. फिल्म 'अजहर', '83', 'लगान', 'घूमर', 'जर्सी' और 'इकबाल' जैसी कई फिल्में हैं, जिसमें क्रिकेट को पर्दे पर पेश किया गया। आपने कई बार सेलेब्स को फिल्म के प्रमोशन के लिए स्टेडियम में भी देखा होगा। लेकिन क्या आप यकीन करेंगे की भारत-पाकिस्तान के एक फाइनल मैच के दौरान, उस फिल्म से ज्यादा चर्चा देवर-भाभी की जोड़ी वाली एक फिल्म की हो रही थी।

फिरोज खान ने फिल्म को किया था डायरेक्ट और प्रोड्यूस

फिरोज खान ने इस फिल्म को बहुत चाव और मेहनत से तैयार किया था। वो नहीं चाहते थे कि फिल्म की पब्लिसिटी में कोई कमी रह जाए। इसलिए इंडिया पाक के जबरदस्त मुकाबले के दौरान जगह- जगह इस फिल्म के पोस्टर दिखाई दिए थे।

जबरदस्त है फिल्म की कहानी

इस फिल्म में अमरीश पुरी फिरोज खान के पिता बने थे। इस फिल्म में फिरोज खान एक पुलिस अफसर का किरदार अदा कर रहे थे और श्रीदेवी उनकी गर्लफ्रेंड का किरदार अदा कर रही थीं। फिल्म में श्रीदेवी ड्रग्स की लत का शिकार हो जाती हैं, जिसके चलते उनकी मौत हो जाती है। फिल्म में गर्लफ्रेंड को खोने के बाद फिरोज खान ड्रग्स के सरगना को ठिकाने लगाने की कसम खा लेते हैं। इस तरह से इस फिल्म में ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई के साथ-साथ फैमिली ड्रामा भी देखने को मिलता है।

फिल्म के गाने भी हुए फेमस

फिल्म के गाने हर किसी को नहीं मिलता यहां प्यार जिंदगी में, प्यार दो प्यार लो, जब जब तेरी सूरत , तेरा साथ है कितना प्यारा, अल्लाह हो अकबर काफी हिट हुए थे।

उपभोग क्षेत्र भी दीर्घावधि में कर सकते हैं बेहतर प्रदर्शन

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो उपभोग के क्षेत्र भी निवेश का बढ़िया विकल्प दे सकते हैं। हालांकि इन क्षेत्रों में निवेश के लिए दीर्घकालिक लक्ष्य रखें। इससे बाद ही आप अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकेंगे। कम समय के लिए निवेश का लक्ष्य लेकर चलेंगे तो नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। बजाज फ़िन्सिर्व एएमसी के एक अध्ययन के अनुसार भारत की प्रति व्यक्ति आय 2025 तक 3,000 डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। जिससे खपत में वृद्धि होने के आसार हैं। 2030 तक, मध्यम वर्ग में 40% आबादी के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे विवेकाधीन व्यय काफी हद तक बढ़ने की उम्मीद है। अध्ययन से पता चला है कि निफ्टी इंडिया कंजम्पशन इंडेक्स ने अगस्त 2024 तक पिछले एक वर्ष में 5.3%(निरपेक्ष) अल्फा, पिछले तीन वर्षों में 2.8%(मिश्रित वार्षिक) अल्फा और पिछले दस वर्षों में 0.4%(मिश्रित वार्षिक) अल्फा का उत्पादन करते हुए कई चक्रों में व्यापक बाजार से बेहतर प्रदर्शन किया। इस डेटा से पता चलता है कि देश में खपत से संबंधित क्षेत्र बढ़ रहे हैं और संभावित रूप से दीर्घकाल में इनमें उछाल आ सकता है।

2030 तक मध्यम वर्ग में 40% आबादी के शामिल होने की उम्मीद

ऐसे क्षेत्र भी निवेश के लिए हो सकते हैं बढ़िया विकल्प

क्या कहता है सूचकांक

इस सूचकांक ने अगस्त 2024 तक एक वर्ष में 45.5%, तीन वर्षों में 20.5% और दस वर्षों में 14.5% का रिटर्न दिया। इसकी तुलना में, निफ्टी 500 इंडेक्स ने एक वर्ष, तीन वर्ष और दस वर्ष की अवधि में क्रमशः 40.2%, 17.7% और 14.1% का रिटर्न प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, अध्ययन से पता चला है कि निफ्टी इंडिया कंजम्पशन टीआरआई ने पिछले 11 कैलेंडर वर्षों में बीएसई 500 टीआरआई को सात बार पीछे छोड़ दिया। एक वर्ष से कम के प्रदर्शन की निरपेक्ष रूप से और 1 वर्ष से अधिक की वार्षिक चक्रवृद्धि रूप से गणना की गई है।

बजाज फ़िन्सिर्व एएमसी के अध्ययन में हुआ खुलासा

ये आंकड़े भी देखें

निफ्टी इंडिया कन्सम्प्शन सूचकांक वैश्विक वित्तीय संकट और कोविड -19 महामारी के दौरान कम गिरावट के साथ व्यापक बाजार की तुलना में अधिक लचीला था। 2009 में वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान, निफ्टी 500 सूचकांक में 64.26% की गिरावट आई, जबकि निफ्टी इंडिया कन्सम्प्शन सूचकांक में 53.11% की गिरावट देखी गई। इसी तरह, 2020 की कोविड लहर के दौरान, निफ्टी 500 इंडेक्स में 38.30% की गिरावट आई, जबकि निफ्टी इंडिया कन्सम्प्शन इंडेक्स में 32.37% की गिरावट आई।

प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि से खपत बढ़ने की उम्मीद

लोगों की क्रय शक्ति बढ़ रही

प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के कारण भारतीय उपभोक्ताओं की वृद्धि हो रही है और अधिक परिवार उच्च-मध्यम और उच्च-आय वाले समूहों में शामिल हो रहे हैं। बढ़ी हुई व्यय योग्य आय से क्रय शक्ति बढ़ रही है और जीवन स्तर में सुधार हो रहा है, जिससे खपत भी बढ़ती जा रही है। यह प्रवृत्ति एक मजबूत निवेश अवसर प्रस्तुत करती है, क्योंकि पिछले दो वर्षों में खपत चक्र में सुधार हुआ है।

भारत में खपत क्यों बढ़ रही

बजाज फिन्सर्व एएमसी के अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2025 तक भारत की प्रति व्यक्ति आय 3,000 डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है, जिससे उपभोक्ता क्रय शक्ति को बढ़ावा मिलेगा। तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग, जिसके 2030 तक लगभग 40% तक बढ़ने के सम्पूर्ण आसार हैं।

स्वास्थ्य और कल्याण क्षेत्र

स्वास्थ्य और कल्याण क्षेत्र अगले पांच वर्षों में 15 - 20% के सीएजीआर पर विस्तार करने के लिए तैयार है, जो स्वस्थ जीवन शैली और समग्र जीवन पर दिए जाने वाले अधिक महत्व के कारण है। ऑनलाइन किराना बाजार में त्वरित वाणिज्य प्लेटफार्मों का योगदान आने वाले वर्षों में 10% से बढ़कर लगभग 45% होने का अनुमान है, जो तेजी से शहरीकरण के बीच सुविधा का विकल्प चुनने के लिए शहरी उपभोक्ताओं की इच्छा को दर्शाता है। यह बदलाव कंज्यूमर अप्लायंसेज क्षेत्र में भी दिखाई देता है। भारत वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार है, जिसके अनुमानों से संकेत मिलता है कि यह 2032 तक 90 बिलियन डॉलर तक बढ़ सकता है।, यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्रोद्योगिकी की बढ़ती पैठ के कारण अनुमानित है। इसके अतिरिक्त, भारत दोपहिया बाजार में दुनिया में सबसे आगे है, जो बड़े पैमाने पर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की मांग से प्रेरित है। यह देश में उपभोक्ता वरीयताओं के विकसित परिदृश्य पर प्रकाश डालता है। इसी तरह, प्रीमियम कंज्यूमर गुड्स सेगमेंट में मांग में वृद्धि हुई है, जो 10-12% की सीएजीआर से बढ़ने का अनुमान है ।

ग्रामीण क्षेत्र भी तैयार

भारत का ग्रामीण एफएमसीजी बाजार मजबूत विकास के लिए तैयार है। 2025 तक इसके 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस बीच, 2029 तक भारतीय खाद्य सेवा बाजार के 125.06 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन तक पहुंचने का अनुमान है, जो उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को दर्शाता है। जैविक खाद्य क्षेत्र भी वृद्धि कर रहा है और इसके 20257 तक 2.6 बिलियन डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि इन वर्षों में उपभोक्ताओं में स्वास्थ्य चेतना फैली है। इसके अतिरिक्त, 2030 तक पैक किए गए खाद्य पदार्थों, पेय पदार्थों और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों की बाजार में पैठ 85% तक पहुंचने की उम्मीद है।

यह भी अनुमान

खपत में मेगाट्रेंड्स से पता चलता है कि ई- कॉमर्स ग्राहक आधार वित्त वर्ष 2512 तक 2.7 गुना बढ़ने की उम्मीद है। यह वृद्धि बढ़ते उपभोक्तावाद और शहरीकरण को दर्शाती है। इसका एक उदाहरण उपभोक्ताओं का सामाजिक व्यवहार है जो आम तौर पर बदल रहा है, जिसमें वित्त वर्ष 25 तक बाहरी खान-पान पर खर्च 2.4 गुना बढ़ने का अनुमान है।

निवेशकों के भाग्य चमका रहा सोना पांच साल में दिया 55 फीसदी रिटर्न

इस बार दीपावली पर सोने में निवेश का ले सकते हैं संकल्प ऐसा निवेश, जिसने निवेशकों को कभी धोखा नहीं दिया

आप भी गोल्ड में निवेश कर चमका सकते हैं अपनी किस्मत लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाएं और मुनाफा कमाएं

मनी मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सोना निवेश का एक ऐसा विकल्प है, जिसमें हर कोई निवेश करना चाहता है। हर घर में सोने की खपत है और लोग दीपावली पर खासकर सोने चांदी की खरीदारी करते हैं, क्योंकि धनतेरस और दीपावली पर इनकी खरीदारी शुभ मानी जाती है। वहीं बाजार के जानकारों को कहना है कि सोना लगातार पांच साल से निवेशकों का भाग्य चमका रहा है। आप भी इसमें निवेश कर अपना भाग्य चमका सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सोने ने पांच साल में 55 फीसदी तक रिटर्न दिया है यानी निवेशकों को खुब कमाई करवाई है। इस बार भी गुरुवार से पुष्य नक्षत्र शुरू हो गया है, इन दिनों में सोने की खरीदारी शुभ मानी जाती है। ऐसे में आप भी लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाकर सोने में निवेश कर सकते हैं। जानकारों का कहना है कि सोने में कई तरीके से निवेश किया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ तरीके जो आपकी किस्मत को चमका सकते हैं। बस आप अपनी रिस्क और आर्थिक क्षमता को ध्यान में रखते हुए निवेश का प्लान तैयार करें। खास बात ये है कि आप सोने में ऑलनाइन तरीके से एक रुपये से भी निवेश शुरू कर सकते हैं और इसमें निवेश की कोई सीमा नहीं है।

फिजिकल गोल्ड

फिजिकल गोल्ड में निवेश यानी ज्वेलरी या सोने के बिस्किट-सिक्के खरीदना। हालांकि बाजार के जानकार ज्वेलरी खरीदने को सोने में निवेश करने का सही तरीका नहीं मानते हैं, क्योंकि इस पर जीएसटी और मेकिंग चार्ज देना पड़ता है। इसीलिए इसमें आपको पहले ही ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते हैं। वहीं, ज्वेलरी बनवाने पर आप 24 कैरेट सोने में निवेश नहीं करते हैं, क्योंकि 24 कैरेट शुद्धता से सोने की ज्वेलरी नहीं बनती है। ज्वेलरी में आपको 18 या 22 कैरेट का सोना मिलता है। हालांकि आप सोने के बिस्किट या सिक्के में निवेश कर सकते हैं।

गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड है, जिसे सरकार समय-समय पर जारी करती है। इसका मूल्य रुपये या डॉलर में नहीं होता है, बल्कि सोने के वजन में होता है। यदि बॉन्ड 1 ग्राम सोने का है, तो 1 ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50% का निश्चित ब्याज मिलता है। गोल्ड बॉन्ड खरीदने के लिए आपको किसी ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होगा। इसमें एनएसई पर उपलब्ध गोल्ड बॉन्ड के यूनिट आप खरीद सकते हैं और उसके बराबर की राशि आपके डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक अकाउंट से कट जाएगी। इसमें ऑफलाइन भी निवेश किया जा सकता है।

- भारत में हर साल 700-800 टन सोने की खपत होती है, जिसमें से 1 टन का उत्पादन भारत में ही होता है और बाकी आयात किया जाता है।
- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार भारत के घरों में 2019 में 25,000 टन से ज्यादा सोना।
- डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेजरी के 2021 के डेटा के मुताबिक अमेरिकी खजाने में 8,000 टन सोना।
- सोना एक 'नोबेल' धातु है, यानी इसमें न ही जंग लगती और न ही इसकी चमक कम होती है। अन्य 'नोबेल' धातुओं में रूथेनियम, रोडियम, पैलेडियम, चांदी, तांबा, प्लैटिनम शामिल हैं।
- सोना पृथ्वी का 58वां सबसे दुर्लभ तत्व है। सबसे पहले सोने के सिक्के 700-650 ईसा पूर्व के बीच लिडिया में बनाए गए थे। वे इलेक्ट्रम से बने थे, जो सोने का एक प्राकृतिक मिश्र धातु है।

गोल्ड ईटीएफ

सोने को शेयरों की तरह खरीदने की सुविधा को गोल्ड ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड हैं, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। चूंकि गोल्ड ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट गोल्ड की कीमतें हैं, आप इसे सोने की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं। गोल्ड ईटीएफ खरीदने के लिए आपको डीमैट अकाउंट खोलना होगा। इसमें एनएसई या बीएसई पर उपलब्ध गोल्ड ईटीएफ के यूनिट आप खरीद सकते हैं और उसके बराबर की राशि आपके डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक अकाउंट से कट जाएगी।

पेमेंट ऐप

अब आप अपने स्मार्टफोन से ही डिजिटल गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। इसके लिए बहुत ज्यादा पैसा खर्च करने की भी जरूरत नहीं है। आप अपनी सुविधानुसार जितनी कीमत का चाहें, सोना खरीद सकते हैं। यहां तक कि 1 रुपये का भी। यह सुविधा अमेजन-पे, गूगल पे, पेटीएम, फोनपे और मोबिक्विक जैसे प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

5 साल में 55% रिटर्न

लॉन्ग टर्म के लिए सोने में निवेश फायदेमंद रहता है। बीते 5 सालों की बात करें तो सोने ने 55% का रिटर्न दिया है। यानी सालाना 11% का रिटर्न। अक्टूबर 2020 में सोना 50,605 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 80,000 से ऊपर पहुंच चुका है।

यह रखें ध्यान

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें
हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- एजेड4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चैक करें

सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है। आमतौर पर ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट या इससे कम कैरेट सोने का इस्तेमाल किया जाता है।

बिल जरूर लें

सोना खरीदते वक्त कैश पेमेंट की जगह यूपीआई और डिजिटल बैंकिंग के जरिए पेमेंट करना अच्छा है। आप चाहें तो डेबिट या क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भी पेमेंट कर सकते हैं। इसके बाद बिल लेना न भूलें। यदि ऑनलाइन ऑर्डर किया है तो पैकेजिंग जरूर चेक करें।

रीसेलिंग पॉलिसी जानें

कई लोग सोने को निवेश की तरह देखते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आपको सोने की रीसेल वैल्यू के बारे में पूरी जानकारी हो। साथ ही संबंधित ज्वेलर की बायबैक पॉलिसी पर भी स्टोर कर्मचारियों से बातचीत कर लें।

सोने में निवेश फायदेमंद

जानकारों का कहना है कि सोने में सीमित निवेश ही करना चाहिए। कुल पोर्टफोलियो का सिर्फ 10 से 15% ही सोने में निवेश करना चाहिए। किसी संकट के दौर में सोने में निवेश आपके पोर्टफोलियो को स्थिरता दे सकता है, लेकिन लंबी अवधि में यह आपके पोर्टफोलियो के रिटर्न को कम कर सकता है।

कैसे करें निवेश कि मिल जाए बढ़िया सा रिटर्न

- लार्ज कैप, मिड कैप या स्मॉल कैप का कैसे का सकते है चुनाव
- निवेश सीधे स्टॉक्स में करना हो या म्यूचुअल फंड्स सही फैसला लें
- मार्केट के अलग सेगमेंट्स और उनकी खूबियां समझना जरूरी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश की बात होने पर लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल का जिक्र आ ही जाता है। फिर चाहे निवेश सीधे कंपनियों के स्टॉक्स में करना हो या फिर म्यूचुअल फंड्स के जरिये। म्यूचुअल फंड्स के एसेट एलोकेशन का डिटेल हो या निवेश की रणनीति के बारे में दी जा रही कोई सलाह, लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप की चर्चा के बिना बात पूरी नहीं होती। यही वजह है कि मार्केट में निवेश करते समय इन शब्दों के सही मतलब को समझना बेहद जरूरी है। साथ ही यह भी पता होना चाहिए कि आपको इनमें से कहां निवेश करना चाहिए।

मार्केट कैप का क्या है मतलब

दरअसल, लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में आने वाला 'कैप' शब्द 'मार्केट कैपिटलाइजेशन' का छोटा रूप है। मार्केट कैपिटलाइजेशन या मार्केट कैप किसी कंपनी के कुल शेयरों की ताजा मार्केट वैल्यू का जोड़ होता है और इसी के आधार पर कंपनियों को लार्ज, मिड और स्मॉल - तीन सेगमेंट्स में बांटा जाता है. सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) तमाम लिस्टेड कंपनियों को उनके मार्केट कैप के आधार पर क्लासिफाई करता है और हर छह महीने में ताजा मार्केट कैप के आधार पर उनका फिर से वर्गीकरण भी करता है।

लार्ज, मिड और स्मॉल कैप की परिभाषा

सेबी ने लार्ज, मिड और स्मॉल कैप की परिभाषा बाजार में उनकी रैंकिंग के आधार पर तय की है। इसके मुताबिक लार्ज कैप की कैटेगरी में वो टॉप 100 कंपनियां आती हैं, जिनका मार्केट कैप बाजार में सबसे अधिक है। मिड कैप सेगमेंट में उन कंपनियों को रखा जाता है, जो मार्केट कैप के आधार पर 101वीं से 250वीं रैंक तक आती हैं। स्मॉल कैप की श्रेणी में उन कंपनियों को रखा जाता है, जो मार्केट कैप के आधार पर 251वीं रैंक और उसके बाद आती हैं।

लार्ज कैप की विशेषताएं

लार्ज कैप स्टॉक्स यानी मार्केट कैप के हिसाब से टॉप 100 कंपनियों के शेयर्स को ब्लू-चिप स्टॉक्सश्व भी कहा जाता है। ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित होती हैं और इनमें जोखिम तुलनात्मक रूप से कम होता है। आमतौर पर इन कंपनियों का मार्केट में प्रदर्शन अच्छा रहता है और वे गिरावट के समय में भी कम प्रभावित होती हैं. आम तौर पर ये कंपनियां मुनाफा कमाने वाली होती हैं और रेगुलर डिविडेंड भी देती हैं, जिससे निवेशकों को लगातार आय प्राप्त होती है। हालांकि लार्ज कैप कंपनियों की ग्रोथ रेट उतनी तेज नहीं होती, जितनी मिड कैप या स्मॉल कैप कंपनियों की हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये कंपनियां पहले से ही अपने उद्योग या सेक्टर की अगली कतार में शामिल होती हैं।

मिड कैप की खासियत

मिड कैप स्टॉक्स उन कंपनियों के शेयरों को कहते हैं, जो मार्केट कैप के हिसाब से बाजार में न सबसे आगे होती हैं और न ही बिलकुल पीछे। सेबी की परिभाषा के अनुसार 101वीं से 250वीं रैंक तक आने वाली ये कंपनियों कंपनियां ग्रोथ के फेज में होती हैं और इसलिए इनका संभावित रिटर्न लार्ज कैप कंपनियों से अधिक होता है। लार्ज कैप की तुलना में हाई ग्रोथ पोटेंशियल मिड कैप की बड़ी खासियत है, लेकिन इनमें निवेश को ज्यादा रिस्की भी माना जाता है। हालांकि स्मॉल कैप के मुकाबले इनमें रिस्क कम होता है। इसीलिए मिड कैप को रिस्क और रिटर्न में संतुलन बनाने वाला निवेश भी माना जाता है।

स्मॉल कैप की खूबी

स्मॉल कैप स्टॉक्स उन कंपनियों के शेयरों को कहते हैं जो सेबी की परिभाषा के अनुसार मार्केट कैप के मामले में 251वीं रैंक या उसके बाद आती हैं। इन स्टॉक्स में निवेश को अधिक रिस्की माना जाता है, लेकिन इनमें हाई ग्रोथ की संभावना रहती है। आमतौर पर, स्मॉल कैप कंपनियों का मार्केट कैप 5000 करोड़ रुपये से कम होता है। इनमें लार्ज कैप और मिड कैप के मुकाबले ज्यादा तेज ग्रोथ की संभावना तो होती है, लेकिन साथ ही रिस्क भी उनसे अधिक होता है। तुलनात्मक रूप से छोटी कंपनियां होने की वजह से इनमें अस्थिरता अधिक होती है और बाजार में उतार-चढ़ाव का सबसे ज्यादा असर भी इन पर पड़ता है।

कहां करें निवेश

- लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में से कौन सा विकल्प आपके लिए सही है, इसका फैसला करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश की अवधि के बारे में सही ढंग से विचार करके समझ बनानी होगी। ऐसा करते समय आपको इन बातों पर गौर करना चाहिए
- लार्ज कैप स्टॉक्स कम अस्थिर होते हैं और निवेशकों के लिए सुरक्षित माने जाते हैं। इसलिए जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए लार्ज कैप स्टॉक्स बेहतर विकल्प हैं।
- मिड कैप स्टॉक्स में जोखिम लार्ज कैप से थोड़ा अधिक होता है, लेकिन ये निवेशकों को संतुलित रिटर्न दे सकते हैं। इसलिए मिड कैप स्टॉक्स जोखिम और रिटर्न के संतुलन के लिए सही माने जाते हैं।
- स्मॉल कैप स्टॉक्स में निवेश करने से निवेशकों को सबसे ज्यादा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसके साथ ही सबसे ज्यादा रिस्क भी जुड़ा हुआ है। लिहाजा, स्मॉल कैप स्टॉक्स उन लोगों के सिए सही हैं, जो अधिक मुनाफा कमाने के लिए ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं।
- वैसे तो इक्विटी में निवेश हमेशा लंबी अवधि के लिए ही बेहतर माना जाता है, लेकिन मिड कैप और स्मॉल कैप में निवेश करने के लिए लॉन्ग टर्म व्यू होना और भी जरूरी है, क्योंकि शॉर्ट टर्म में इनमें होने वाले उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकते हैं।

डायवर्सिफिकेशन का लाभ

- अपने लिए निवेश की सही रणनीति बनाते समय आप अलग-अलग मार्केट कैप में डायवर्सिफिकेशन का रास्ता भी चुन सकते हैं। मिसाल के तौर पर जब अर्थव्यवस्था में मंदी आती है, तो लार्ज कैप कंपनियां बेहतर प्रदर्शन करती हैं, क्योंकि वे अच्छी तरह से स्थापित होती हैं, लेकिन जब अर्थव्यवस्था में तेजी आती है, तो मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां अधिक लाभ कमा सकती हैं। ऐसे पोर्टफोलियो में शामिल लार्ज कैप स्टॉक्स आपको स्टेबल रिटर्न देंगे, जबकि मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स समय के साथ बेहतर रिटर्न दे सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस ले रहे हैं तो पहले जान लें प्रतीक्षा अवधि

अलर्ट
भास्कर नेरुरकर

विवेकपूर्ण फाइनेंशियल प्लानिंग के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से एक उपयुक्त हेल्थ इंश्योरेंस कवर लेना भी शामिल है। अच्छी तरह से डिजाइन किया गया, कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ कवर यह सुनिश्चित करता है कि आपकी किसी भी मेडिकल जरूरत के समय आपको मदद मिलेगी और आपको अपनी जेब से पैसे नहीं देने होंगे। प्रत्येक हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में कुछ विशेष खंड और नियम व शर्तें होते हैं और अपनी पॉलिसी की विशेषताओं की बेहतर समझ होने के लिए आपको इनकी जानकारी होनी चाहिए, जिनमें से एक नियम 'प्रतीक्षा अवधि' है। आप सोच रहे होंगे कि हेल्थ इंश्योरेंस में 'प्रतीक्षा अवधि' क्या है? जैसा कि आपको इस नाम से पता चला होगा, 'प्रतीक्षा अवधि' वह समय है, जब तक आप पॉलिसी के लाभ प्राप्त नहीं कर पाएंगे। यह पूर्व-निर्धारित अवधि पॉलिसी डॉक्यूमेंट में स्पष्ट रूप से लिखी होती है। पॉलिसी शुरू होने के तुरंत बाद प्रतीक्षा अवधि शुरू हो जाती है। आप सोच रहे होंगे कि क्या प्रतीक्षा अवधि एक से अधिक होती है, अगर हां, तो उनके बीच क्या अंतर है और वे कैसे काम करते हैं? हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में आमतौर पर अलग प्रकार की प्रतीक्षा अवधि होती है।

कूलिंग ऑफ पीरियड

इसे शुरुआती प्रतीक्षा अवधि भी कहा जाता है। यह वह समय है, जिसे आपको पूरा करना होता है और इसके बाद ही आप अपनी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी का लाभ लेना शुरू कर सकते हैं। स्टैंडर्ड कूलिंग-ऑफ अवधि 30 दिन होती है। इस अवधि के दौरान, आप बीमारी से उत्पन्न होने वाले किसी भी हॉस्पिटलाइजेशन के लिए क्लेम नहीं कर पाएंगे। हालांकि, आपको पता होना चाहिए कि आप 0 दिन से दुर्घटनाओं के कारण होने वाले हॉस्पिटलाइजेशन के लिए क्लेम फाइल कर सकते हैं। 30 दिनों की प्रतीक्षा अवधि एक्सीडेंटल हॉस्पिटलाइजेशन पर लागू नहीं होती है।

बीमारियों के लिए प्रतीक्षा अवधि

हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने से पहले मौजूद बीमारियां पॉलिसीधारक की बीमारियों या स्वास्थ्य समस्याओं को दर्शाती हैं। हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने से पहले पहचानी गई किसी भी बीमारी को 'पहले से मौजूद' बीमारी माना जाएगा। इस लिस्ट में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, थायरॉइड और अस्थमा जैसी बीमारियां शामिल होती हैं। इन बीमारियों के लिए प्रतीक्षा अवधि आमतौर पर 2 से 4 वर्ष तक होती है।

बीमारी पर आधारित विशिष्ट प्रतीक्षा अवधि

इंश्योरेंस कंपनियां कुछ बीमारियों,जैसे हर्निया, मोतियाबिंद और जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए प्रतीक्षा अवधि लागू करती हैं। यह प्रतीक्षा अवधि 2 से 4 वर्ष तक अलग-अलग होती है। प्रत्येक इंश्योरेंस कंपनी के पास उन बीमारियों की लिस्ट होती है, जिनके लिए इंश्योर्ड व्यक्ति को प्रतीक्षा अवधि तक इंतजार करना होता है। यह लिस्ट पॉलिसी डॉक्यूमेंट में स्पष्ट रूप से दर्ज होती है।

मैटरनिटी लाभों के लिए प्रतीक्षा अवधि

हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में मैटरनिटी कवर के लिए आमतौर पर 9 महीनों से 6 वर्ष तक की प्रतीक्षा अवधि होती है। इसका मतलब है कि आप निर्धारित अवधि को पूरा करने के बाद ही मैटरनिटी से संबंधित क्लेम फाइल कर सकेंगे।

- हेल्थ पॉलिसी किसी भी मेडिकल ज़रूरत के समय मदद करेगी
- आपको अपनी जेब से कोई पैसे भी नहीं देने होगा
- हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में कुछ विशेष खंड और नियम
- पॉलिसी की विशेषताओं की बेहतर तरीके से समझना जरूरी

मनोवैज्ञानिक बीमारी के लिए प्रतीक्षा अवधि

नियामक के दिशानिर्देशों के अनुसार हेल्थ इंश्योरेंस के तहत मानसिक बीमारी को अनिवार्य रूप से कवर किया जाता है। ऐसी बीमारी के लिए प्रतीक्षा अवधि आमतौर पर 2 वर्ष होती है। हालांकि, यह अलग-अलग इंश्योरर के लिए अलग-अलग हो सकती है और इसकी जानकारी पॉलिसी डॉक्यूमेंट में दी जाती है।

प्रतीक्षा अवधि को कम करने का तरीका

हां, आप अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करके कुछ प्रतीक्षा अवधि को कम कर सकते हैं। आप कितना कम कर सकते हैं, यह अलग-अलग इंश्योरर और प्रॉडक्ट पर निर्भर करता है। आप अपने इंश्योरर से संपर्क कर सकते हैं और अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करके कम प्रतीक्षा अवधि के लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

यह भी रखें ध्यान

- हेल्थ इंश्योरेंस खरीदते समय बाद में किसी भी परेशानी से बचने के लिए प्रतीक्षा अवधि के बारे में जानें।
- अपनी कवरेज के बारे में सही जानकारी पाने के लिए अपने पॉलिसी डॉक्यूमेंट को अच्छी तरह से पढ़ें।
- पॉलिसीधारक को पूरी जानकारी प्रदान करने के लिए पॉलिसी की कॉपी में स्पष्ट रूप से कवर, अपवाद और अन्य नियम व शर्तों का उल्लेख होता है।
- मुझे उम्मीद है कि यह आर्टिकल आपको अपनी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी को बेहतर तरीके से समझने में मदद करेगा।

(लेखक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम के हेड हैं।)

चक्रवात 'दाना' पड़ा कमजोर, जल्द समाप्त हो जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भुवनेश्वर भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि चक्रवात 'डाना' कमजोर होकर स्पष्ट कम दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया है और जल्द समाप्त होने की सभावना है। 'डाना' ने शुक्रवार को ओडिशा के तट को प्रभावित किया, जिसमें कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए, बिजली के तार टूट गए। यह चक्रवात ओडिशा के भितरकनिका और धामरा के बीच तटों पर 100-110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से टकराया। आईएमडी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उत्तर ओडिशा में 'डाना' पश्चिम की ओर बढ़ा और कमजोर होकर स्पष्ट कम दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया है।

मौसम विभाग ने जारी किया पूर्वानुमान

आडिशा के सीएम माझी बोले
अब सुरक्षित, टीमवर्क बेहतर रहा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम मोहन चरण माझी ने बताया कि ओडिशा अब सुरक्षित है। चक्रवात के तट पर आने के बाद मैंने स्थिति की समीक्षा की और टीमवर्क की बदौलत हमें शून्य जनहानि प्राप्त हुई। हमने 8 लाख लोगों को निकाला। कई राहत केंद्र अभी भी खुले हैं। बिजली के तारों की मरम्मत का काम जारी है। लगातार बारिश के कारण हमें दिक्कतें हो रही हैं। उन्होंने कहा 1.75 लाख हेक्टेयर की फसलें नष्ट हो गई हैं। बुढ़ाबलंग नदी में बाढ़ है, लेकिन यह खतरे के स्तर से नीचे बह रही है।

सभी मददगार धन्यवाद के पात्र

माझी ने यह भी बताया कि चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा के लिए 158 प्लाटून पुलिस बल तैनात किए गए हैं। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जो दिन-रात काम कर रहे हैं। डिप्टी सीएम केवी सिंह देव ने भी बताया कि किसी की भी जान नहीं गई है और 90 प्रतिशत बिजली की बहाली का काम हो चुका है।

कोलकाता के मौसम में सुधार, कई इलाकों में जल स्तर घटा

कोलकाता। कोलकाता में चक्रवात 'दाना' के कारण भारी बारिश के एक दिन बाद शनिवार को आसमान साफ रहा। अधिकारियों ने बताया कि बारिश रुकने से कई इलाकों से पानी कम हो गया है जिससे लोगों को राहत मिली है। उन्होंने बताया कि शनिवार को सुबह साढ़े छह बजे तक कोलकाता में 24 घंटे के दौरान 152.8 मिलीमीटर बारिश हुई। बहरहाल, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि शहर के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। उसने बताया कि अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा जबकि न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

बंगाल में 4 लोगों की मौत

अधिकारियों के अनुसार बंगाल में करंट लगने समेत बारिश संबंधित घटनाओं में 4 लोगों की मौत हो गई। कोलकाता में स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन हुगली, बांकुड़ा, झारग्राम और पूर्व तथा पश्चिम मेदिनीपुर जिलों के कई इलाकों में जलभराव बना हुआ है। खेत जलमग्न हो गए जिससे धान और आलू जैसी फसलों को नुकसान पहुंचा है। आईएमडी ने कहा कि पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और झारग्राम जिलों के कुछ स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है और रविवार से मौसम में सुधार आने की संभावना है।

खबर संक्षेप

होंडा इंडिया ने 92,000 कारों को मंगाया वापस

नई दिल्ली। होंडा कार्स इंडिया ने 90,468 कारों में फ्यूल पंप बदलने के लिए स्वैच्छिक रिकॉल जारी किया है।

इस अभियान में पुराने मॉडल की 2,204 यूनिट्स को भी शामिल किया जाएगा। रिकॉल अभियान वाहन निर्माता के, नए और बंद हो चुके, सभी प्रमुख मॉडलों को प्रभावित करता है। जिनमें होंडा सिटी, अमेज, ब्रियो, बीआर-वी, डब्ल्यूआर-वी, जैज और एकॉर्ड शामिल हैं।

प्रियंका ने वायनाड के लोगों के लिए चिट्ठी लिखी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की चुनावी पारी का आगाज हो गया है। उन्होंने इस उपचुनाव में

राहुल गांधी की बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दावेदारी पेश की है। अब उपचुनाव से पहले प्रियंका ने वहां के लोगों के लिए एक चिट्ठी लिखी। प्रियंका गांधी ने इस चिट्ठी में वायनाड के लोगों को अपना मार्गदर्शक और शिक्षक बताया है।

आईटीआर फाइलिंग की तिथि 15 तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिवाली से पहले भारतीय व्यापारियों के लिए एक अच्छी खबर है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ

डायरेक्ट टैक्स ने कॉरपोरेट्स के लिए असेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि कॉरपोरेट्स के पास अब इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने के लिए 15 नवंबर तक का समय दिया है।

यमुना में स्नान के बाद सचदेवा अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की तबियत को अचानक तबीयत बिगड़ गई

जिसके बाद उन्हें आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें स्कीन इंफेक्शन की दिक्कत के साथ सांस लेने में भी परेशानी हो रही है। सचदेवा ने यमुना नदी के गंदे पानी में डुबकी लगाई थी। सचदेवा ने यह डुबकी विरोध प्रदर्शन के तौर पर लगाई थी।

यंग इंडिया स्किल विवि को 200 करोड़ अनुदान

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करके बड़ा कदम उठाया है। यह

योजना मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सामाजिक जिम्मेदारी शाखा एमईआईएल फाउंडेशन के तहत कार्यान्वित की जा रही है। एमईआईएल फाउंडेशन हैदराबाद में यंग इंडिया स्किल की स्थापना के लिए 200 करोड़ रुपए का योगदान देगा।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में दीपावली के बाद आएगी गरमी

भाजपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची, पीएम मोदी के साथ सीएम योगी सबसे लोकप्रिय नेता

सूची में कुल 40 नाम, योगी से 30 सभाएं कराने की मांग

अध्यक्ष नड्डा, राजनाथ, शाह और गडकरी का नाम भी सूची में शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। बताया जा रहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं और उनसे 30 चुनावी सभा कराने की मांग की जा रही है। योगी महाराष्ट्र में कई सभाएं कर सकते हैं। भाजपा ने स्टार प्रचारकों की लिस्ट में कुल 40 नाम शामिल किए हैं। पहला नाम पीएम मोदी का है। इसके बाद जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अमित शाह और नितिन गडकरी का नाम है। लिस्ट में योगी आदित्यनाथ छठे नंबर पर हैं। अहम बात यह है कि इस लिस्ट केंद्रीय मंत्रियों के बाद 8 राज्यों के मुख्यमंत्रियों का नाम है और मुख्यमंत्रियों में पहला नाम योगी आदित्यनाथ का है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम 15वें नंबर पर है। स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शीर्ष 15 में महाराष्ट्र के सिर्फ दो ही नेता हैं। नितिन गडकरी का नाम पांचवें नंबर पर है।

8 राज्यों के सीएम भी शामिल

भाजपा ने जारी की दूसरी सूची

22 उम्मीदवारों के नाम

भाजपा ने महाराष्ट्र के लिए प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की है। इसमें कुल 22 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। इस तरह से भाजपा ने राज्य में अब तक कुल 121 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया है।

सीएम यादव, सैनी, साय और पटेल भी सूची में

भाजपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में 40 नाम शामिल हैं। इनमें प्रमोद सावंत, भूपेंद्र पटेल, विष्णुदेव साय, मोहन यादव, भजनलाल शर्मा, नायब सिंह सैनी, देवेंद्र फडणवीस, चंद्रशेखर बावनकुले, शिव प्रकाश, भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, नारायण राणे, पीयूष गोयल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, रावसाहेब दानवे पाटिल, अशोक चव्हाण, उदयन राजे भोसले, विनोद तावड़े, आशीष शेलार, पंकजा मुंडे, चंद्रकांत दादा पाटिल, सुधीर मुंगतिवार, राधाकृष्ण विखे पाटिल, गिरीश महाजन, रविंद्र चव्हाण, स्मृति ईरानी, प्रवीण दारेकर, अमर साबले, मुरलीधर मोहोल, अशोक नेते, संजय कुटे, नवनीत राणा आदि हैं।

फडणवीस ने भरी जानकारी
खुद की कार नहीं, पत्नी से ले रखा 62 लाख का कर्ज

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने परंपरागत विधानसभा सीट नागपुर दक्षिण-पश्चिम से पर्चा भरा है। फडणवीस ने शपथ पत्र में कुल 13.27 करोड़ की संपत्ति बताई है। 2019 के चुनाव में उन्होंने कुल 8.71 करोड़ की कुल संपत्ति घोषित की थी। 2014 में भाजपा नेता के पास कुल 4.34 करोड़ रुपए की संपत्ति थी। इसके साथ ही वे अपनी पत्नी से 62 लाख का कर्ज भी ले रखा है।

महायुति में 278 सीटों पर उम्मीदवार तय

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति में करीब-करीब सभी सीटों पर सहमति बन गई है। महाराष्ट्र में भाजपा महायुति ने 278 सीटों को गठबंधन में तय कर लिया कि कौन पार्टी किस सीट पर लड़ेगी? उम्मीदवारों के बारे में भी स्थिति साफ हो गई है। भाजपा 150-153 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शिवसेना - 80/82 सीट, एनसीपी - 55/57 सीट पर चुनाव लड़ सकती है। अमित शाह ने बैठक में सीएम शिंदे और अजित पवार को एक साथ चुनाव लड़ने की नसीहत दी है।

कांग्रेस ने घोषित की दूसरी लिस्ट
23 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने भी अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है। इसमें 23 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया है। इससे पहले कांग्रेस ने गुरुवार को महाराष्ट्र चुनावों के लिए अपनी पहली लिस्ट में 48 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया था। इस तरह कांग्रेस ने महाराष्ट्र के लिए कुल 71 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। दूसरी सूची के अनुसार कांग्रेस ने जलगांव (जमोद) से स्वाति संदीप वाकेकर और भुसावल सीट से डॉ. राजेश तुकाराम मनवटकर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

शरद गुट ने भी जारी की दूसरी सूची
22 उम्मीदवारों के नाम

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी शरद गुट ने दूसरी सूची जारी कर दी है। दूसरी सूची में 22 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। बीड से संदीप क्षीरसागर, नासिक पूर्व से गणेश गीते और पिंपरी से सुलक्षणा शीलवंत को टिकट दिया गया है। एनसीपी शरद के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि अब तक दो सूची में 67 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए गए हैं। सभी उम्मीदवार अपने क्षेत्र से जीत हासिल करेंगे।

शिवसेना-यूबीटी ने दूसरी सूची दी
15 प्रत्याशियों के नाम किए घोषित

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना-यूबीटी ने अपनी दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 15 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। शिवसेना की दूसरी लिस्ट में भायखला से मनोज जामसुतकर को टिकट दिया गया है। शिवड़ी से अजय चौधरी चुनावी मैदान में हैं। संदेश पारकर कणकवली सीट से तो वडाला से श्रद्धा जाधव चुनाव लड़ रही हैं। इससे पहले शिवसेना उद्धव गुट की तरफ से प्रत्याशियों की पहली सूची में कुल 65 उम्मीदवारों के नाम जारी किए गए हैं। इस सूची में शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे को वर्ली से प्रत्याशी बनाया गया है।

कस्टम अधिकारियों को फटकारा
हर न्यूड पेंटिंग अश्लील नहीं होती, 14 दिन में करें वापस

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने न्यूड पेंटिंग मामले में फैसला सुनाते हुए कहाकि ऐसी हर पेंटिंग को अश्लील नहीं कहा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि सेक्स और अश्लीलता में फर्क होता है। अदालत ने कस्टम विभाग को जब्त की गई न्यूड पेंटिंग को रिलीज करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कस्टम डिपार्टमेंट को मशहूर कलाकार एफएन सूजा और अकबर पदमसी की पेंटिंग्स को जारी करने का निर्देश दिया। ये मामला अप्रैल 2023 का है। जब मुंबई के बिजनेसमैन मुस्तफा कराचीवाला के मालिकाना हक वाली फर्म बी के पोलीमेक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड लंदन से 7 पेंटिंग मुंबई लाई थी। इसके बाद कस्टम विभाग ने इन पेंटिंग को यह कहकर जब्त कर लिया था कि ये पेंटिंग न्यूडिटी को बढ़ावा दे रही हैं।

कराचीवाला की कंपनी हाईकोर्ट पहुंची

बिजनेसमैन मुस्तफा कराचीवाला की कंपनी ने हाईकोर्ट का रुख किया। जस्टिस एम एस सोनक और जितेंद्र जैन की बेंच ने कस्टम विभाग अधिकारियों को फटकार लगाई। साथ ही उन्होंने कस्टम विभाग से 14 दिन के अंदर पेंटिंग को वापस देने का ऑर्डर दिया।

पेंटिंग को कैसे माना गया अश्लील

कराचीवाला की तरफ से वकील श्रेयस श्रीवास्तव और श्रद्धा स्वरूप ने याचिका दायर की थी। याचिका में सवाल किया गया कि पेंटिंग को अश्लील कैसे माना जा सकता है। याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि कला एक राष्ट्रीय खजाना है जिसे उचित मान्यता दी जानी चाहिए। कला और अश्लीलता के बीच नहीं समझा अंतर : कस्टम विभाग के अधिकारी कला के महत्व को समझने में विफल रहे हैं।

कर्नाटक में वक्फ बोर्ड की कारस्तानी
किसानों की 1200 एकड़ भूमि पर किया दावा, नोटिस दिया

एजेंसी ▶▶ विजयपुरा

कर्नाटका के विजयपुरा में किसानों की 1200 एकड़ जमीन पर वक्फ बोर्ड ने दावा किया है। वक्फ बोर्ड ने किसानों को नोटिस भी जारी कर दिया है जिले के होनवाड़ा गांव की 1200 एकड़ जमीन पर शाह अमीनुद्दीन दरगाह ने अपना हक जताया है। स्थानीय तहसीलदार ने जमीन मालिक किसानों को नोटिस भेजकर इसका जवाब मांगा है। वहीं टिकोटा तालुका स्थित होनवाड़ा गांव के किसानों ने इसकी शिकायत स्थानीय विधायक और कांग्रेस सरकार में मंत्री एमबी पाटिल से की है।

जमीन को शाह अमीनुद्दीन की दरगाह बताया

किसानों को नोटिस में कहा गया है कि यह जमीन शाह अमीनुद्दीन दरगाह की है। वहीं किसानों का कहना है कि ये दरगाह सदियों से अस्तित्व में नहीं है, जबकि पीढ़ियों से उनके परिवार इन जमीनों के मालिक हैं। लगभग 41 किसानों को नोटिस भेजा है।

अब राजकोट में ई-मेल से धमकी
हम 5 स्टार होटल समेत 10 होटलों को बम से उड़ा देंगे

एजेंसी ▶▶ राजकोट

गुजरात के राजकोट में 5 स्टार होटल समेत 10 होटलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला है। त्योहार के मौके पर इस तरह के धमकी भरे ईमेल से हड़कंप मचा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह ईमेल किसने भेजा है। फ्लाइट्स और स्कूल-कॉलेजों के बाद अब होटलों को बम की धमकी मिली है। जिन होटलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है उनमें इंपीरियल पैलेस, सयाजी होटल, सीजन होटल और होटल ग्रैंड रीजेंसी शामिल हैं। सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ता और राजकोट पुलिस मौके पर पहुंच गई और होटल में जांच अभियान शुरू कर दिया है। त्योहार के मौके पर इस तरह के धमकी से लोगों को हैरान कर दिया है।

अब लखनऊ में ट्रेन को पलटाने की साजिश
मलिहाबाद में ट्रैक पर रखी डाल लकड़ी और पत्थर भी पाए गए

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

कानपुर के बाद लखनऊ में भी ट्रेन पलटाने की साजिश रची गई। मलिहाबाद रेलवे स्टेशन के पास बृहस्पतिवार को ट्रैक पर रखी पेड़ की डाल बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस में फंस गई। इससे ट्रेन का एक्सल काउंटर टूट गया। चालक ने ट्रेन रोककर अधिकारियों को सूचना दी। रेलवे की टीम ने निरीक्षण किया तो ट्रैक पर लकड़ी और पत्थर रखे मिले। घटनास्थल की जांच में ट्रैक पर लकड़ी और पत्थर डाले जाने का पता चला। ताजा टूटा एक्सल काउंटर भी पड़ा मिला। इस आपराधिक साजिश के चलते बड़ी जनहानि हो सकती थी। घटना की वजह से काफी देर तक रूट प्रभावित रहा।

रेलवे ने दर्ज कराई रिपोर्ट

रेलवे की ओर से साजिश की आशंका जताते हुए मलिहाबाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सीनियर सेक्शन इंजीनियर अजय कुमार की तरफ से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक मलिहाबाद स्टेशन के पास बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस के इंजन में लकड़ी फंस गई।

राष्ट्रपति ने आईआईटी भिलाई के छात्रों को दी नसीहत
नो रिस्क नो गेन, जोखिम उठाना अच्छी आदत

आदिवासी समुदायों से प्रकृति के साथ सामंजस्य सीखें

एजेंसी ▶▶ दुर्ग

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु छत्तीसगढ़ दौरे के दूसरे दिन दुर्ग जिले के भिलाई पहुंचीं। यहां आईआईटी भिलाई के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाने की सीख लेने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा आदिवासी भाई-बहनों की सक्रिय भागीदारी के बिना देश का विकास संभव नहीं है। छत्तीसगढ़ की धरती आदिवासी संस्कृति और परंपराओं से समृद्ध है। जनजातीय समाज सदियों से पर्यावरण के साथ समन्वय बनाकर जीवन-यापन कर रहे हैं।

आंत्रेप्रेन्योरशिप का रास्ता बेहतर

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले छह दशकों से देश के आईआईटी के छात्र-छात्राओं ने विश्व स्तर पर विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है। ये अपने तकनीकी और विश्लेषणात्मक कौशल से कई मायनों में 21वीं सदी की दुनिया को स्वरूप प्रदान कर रहे हैं। आईआईटी से निकले अनेक छात्रों ने 'एंटरप्रेन्योरशिप' का रास्ता चुना है और नए रोजगारों का सृजन किया है।

भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली-समृद्धि की कामना की: राष्ट्रपति रायपुर के गायत्री नगर स्थित महाप्रभु भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचीं। भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर उन्होंने देशवासियों के सुख-समृद्धि और निरंतर प्रगति के लिए आशीर्वाद मांगा। राष्ट्रपति जगन्नाथ सेवा समिति के सदस्यों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने इस मौके पर मंदिर पहुंचे प्रदेश के जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठजनों से भेंट की।

'ईकोसिस्टम' विकसित भारत की पहचान बनेगा

उन्होंने कहा कि उद्योग के क्षेत्र में कहा जाता है, 'नो रिस्क, नो गेन।' दूसरे शब्दों में, जोखिम से बचने के रवैए के साथ स्वरोजगार में सफलता हासिल नहीं की जा सकती। जोखिम उठाने की प्रवृति को अच्छा माना जाता है। मुझे यकीन है कि आप अपनी जोखिम उठाने की प्रवृति के साथ आगे बढ़ते रहेंगे। मुर्मू ने कहा कि पुराने और प्रतिष्ठित आईआईटी नए आईआईटी के साथ मिलकर भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए एक मजबूत 'ईकोसिस्टम' तैयार करेंगे।

भीलवाड़ा में भड़की हिंसा
भाजपा नेता, भतीजे पर हमले के बाद तोड़फोड़ और आगजनी

एजेंसी ▶▶ भीलवाड़ा

शहर में भाजपा नेता और उसके भतीजे पर गुरुवार रात को चाकू से हमला कर दिया। इससे शहर में माहौल तनावपूर्ण हो गया। एक पक्ष के लोगों ने पथराव कर कई वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। 3 एंबुलेंस सहित चार गाड़ियों को आग के हवाले भी कर दिया है। शहर में घायलों को महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। माहौल को देखते हुए शहर में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर भीमगंज थाने का घेराव कर दिया। बताया जा रहा है कि मंगला चौक निवासी देवेंद्र सिंह और उसके भतीजे बबलू पर एक पक्ष के लोगों ने किसी बात को लेकर चाकू से हमला कर दिया। दोनों को लहूलुहान एमजीएच भर्ती कराया। जानकारी लगने पर बड़ी संख्या में हिन्दूवादी संगठन के लोग अस्पताल में जमा हो गए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरी, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)